




PUBLICATION NAME :	The Hindustan Times
EDITION :	Delhi
DATE :	30/3/2022
PAGE :	21

{ NARAYAN RANE } UNION MINISTER



The government is setting up a global market intelligence network to boost India's exports from the MSME sector.



PUBLICATION NAME :	The Pioneer
EDITION :	Delhi
DATE :	30/3/2022
PAGE :	8

Govt to come out with GMI network to boost MSME exports

PNS ■ NEW DELHI

The government is setting up a global market intelligence (GMI) network to boost India's exports from the micro, small and medium enterprises sector, Union minister Narayan Rane said on Tuesday.

The Global Market Intelligence Network will act as a knowledge repository of export-related data on foreign markets and facilitate easier market access for MSME exporters.

According to estimates, India's MSME sector accounts for 45 per cent of its exports. There is a huge untapped potential to boost outward shipments from the segment. However, lack of credible trade-related data on overseas markets has been one of the key bottlenecks impeding the MSME sector from realising its true export potential by tapping new market opportunities. Addressing a summit organised by the Entrepreneurship



Development Institute of India (EDII), Rane said the government is keen to strengthen the MSME sector.

"Our focus is on providing easy credit, better technology support and access to the export markets. We want our MSME sector to become competitive and grow," the MSME minister said.

He shared that the MSME ministry "is coming out with a global market intelligence network that will help MSME exports".

PUBLICATION NAME :	The Pioneer
EDITION :	Delhi, Bhopal, Lucknow and Bhubaneswar
DATE :	30/3/2022
PAGE :	

Rane stresses need to strengthen MSMEs

PNS ■ NEW DELHI

Union Minister for Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) Narayan Rane on Tuesday termed the MSMEs as growth accelerators making a significant contribution to the GDP and stressed the need to strengthen them.

Rane said, for a long time now, MSMEs have been working amidst minimum resources and yet making a significant contribution to the GDP of the country. "It is, therefore, necessary that these growth accelerators are handheld and strengthened. In

this direction, there have definitely been significant collective efforts to strengthen the sector. Various schemes of the government are directed towards opening up new avenues for MSMEs," he said.

He was speaking at the inauguration of the two-day mega summit on MSME competitiveness and growth being organized by the MSME and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) in the presence of MoS Bhanu Pratap Singh Verma.

He further said the Government has well ensured

that the MSME sector receives an unhindered credit flow from financial institutions, technology support for development and modernization, access to export markets, infrastructure facility, training and capacity building facility and welfare of workforce.

The two-day summit will witness brainstorming sessions and panel discussions on the enhancements, challenges and growth opportunities in the MSME sector and speakers and experts from India, Singapore, Peru, Lao PDR, Rwanda, Myanmar, Russia, Uzbekistan, Spain and Iran, will share their

experiences at the summit.

The summit is also going to be attended by entrepreneurs, academicians, policymakers, industry leaders, thought leaders, business chambers, industry associations, startups, social impact organizations, MSMEs and self-help groups from across the world.

Speaking on the occasion, Bhanu Pratap Singh Verma, said, "India, with its focus on entrepreneurship, start-ups, innovations and MSMEs, is well placed at a remarkable time on account of interesting economic decisions and strategies."

PUBLICATION NAME :	The Hitvada
EDITION :	Delhi
DATE :	30/3/2022
PAGE :	7

‘Govt to come out with global market intelligence network’

NEW DELHI, Mar 29 (PTI)

THE Government is setting up a global market intelligence network to boost India's exports from the micro, small and medium enterprises sector, Union minister Narayan Rane said on Tuesday. The Global Market Intelligence Network will act as a knowledge repository of export-related data on foreign markets and facilitate easier market access for MSME exporters.

According to estimates, India's MSME sector accounts for 45 per cent of its exports.

There is a huge untapped potential to boost outward shipments from the segment.



Narayan Rane

However, lack of credible trade-related data on overseas markets has been one of the key bottlenecks impeding the MSME sector from realising its true export potential by tapping new market opportunities.

Addressing a summit organised by the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Rane said the government is keen to strengthen the MSME sector. "Our focus is on providing easy credit, better technology support and access to the export markets. We want our MSME sector to become competitive and grow," the MSME minister said.

He shared that the MSME ministry "is coming out with a global market intelligence network that will help MSME exports." The minister called upon all stakeholders to carve out a roadmap to make the MSME sector a vibrant growth engine for the country's economy.

To make MSMEs competitive,

he said, there was a need for more research and innovation and coming out with new business ideas. The minister added that institutes like EDII can help the MSMEs scale up to new heights. Describing MSMEs as the growth engine of India's economy, Rane highlighted the sector's contribution to the country's Gross Domestic Product growth and employment.

"It (MSME sector) is the key to rural industrialization. Our government under the leadership of Prime Minister Narendra Modi attaches great importance to MSMEs," he said.

According to the Global Entrepreneurship Monitor India survey 2021-22 which was anchored by EDII, India's entrepreneurial activity expanded in 2021 with its Total Entrepreneurial Rate amidst percentage of adults starting or running a new enterprise increasing to 14.4 per cent in 2021 compared to 5.3 per cent in 2020.

PUBLICATION NAME :	Rajasthan Patrika
EDITION :	Ahmedabad
DATE :	30/3/2022
PAGE :	2

विकास को गति देते हैं एमएसएमई, उन्हें मजबूत करना जरूरी: राणे एमएसएमई पर मेगा इंटरनेशनल समिट

अहमदाबाद @ पत्रिका. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) देश के विकास को गति देने वाले हैं, जिससे उन्हें और मजबूत करना जरूरी है।

यह बात केन्द्रीय एमएसएमई मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित दो दिवसीय एमएसएमई मेगा इंटरनेशनल समिट के उद्घाटन समारोह में कही।

एमएसएमई और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित



इस समिट में एमएसएमई राज्यमंत्री भानूप्रताप सिंह वर्मा, ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ.सुनील शुक्ल ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

समिट में कोरोना महामारी के बीच राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की ओर से एमएसएमई क्षेत्र में चुनौती और अवसर एमएसएमई के विकास में इन्क्यूबेटर्स की भूमिका व अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

PUBLICATION NAME :	Mayur Samvad
EDITION :	Delhi
DATE :	30/3/2022
PAGE :	6

नई दिल्ली, बुधवार, 30 मार्च 2022

मयूर संवाद

एमएसएमई विकास को गति देते हैं; उन्हें मजबूत करना आवश्यक-नारायण राणे

संवाददाता (दिल्ली) केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने, श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, राज्य मंत्री (एमओएस), एमएसएमई की उपस्थिति में, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) द्वारा आयोजित एमएसएमई प्रतिस्पर्धा और विकास पर दो दिवसीय मेगा शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में भारत, सिंगापुर, पेरू के वक्ताओं और विशेषज्ञों द्वारा एमएसएमई क्षेत्र में संवर्द्धन, चुनौतियों और विकास के अवसरों पर विचार-मंथन सत्र और पैनल चर्चा होगी। लाओ पीडीआर, रवांडा, म्यांमार, रूस, उज्बेकिस्तान, स्पेन और ईरान, शिखर सम्मेलन में अपने अनुभव साझा करेंगे। शिखर सम्मेलन में उद्यमियों, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, उद्योग के नेताओं, विचार नेताओं, व्यापार मंडलों, उद्योग संघों द्वारा भी भाग लिया जाएगा। इसमें स्टार्टअप, सामाजिक प्रभाव संगठन, एमएसएमई और दुनिया भर के स्वयं सहायता समूह भी हिस्सा लेंगे। सम्मेलन में बोलते हुए, श्री राणे ने देश के सकल घरेलू उत्पाद में एमएसएमई के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, लंबे समय से एमएसएमई न्यूनतम संसाधनों के बीच काम कर रहे हैं और फिर भी देश के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान

दे रहे हैं। इसलिए, यह आवश्यक है कि इसे और मजबूत किया जाए। इस दिशा में, निश्चित रूप से इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण सामूहिक प्रयास किए गए हैं। सरकार की विभिन्न योजनाओं को एमएसएमई के लिए नए रास्ते खोलने की दिशा में निर्देशित किया गया है। उन्होंने आगे कहा, सरकार ने सुनिश्चित किया है कि एमएसएमई क्षेत्र को वित्तीय संस्थानों, विकास और आधुनिकीकरण के लिए प्रौद्योगिकी सहायता, निर्यात बाजारों तक पहुंच, बुनियादी ढांचे की सुविधा, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सुविधा और कार्यबल के कल्याण से एक निर्बाध ऋण प्रवाह प्राप्त हो। श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने अपने संबोधन में कहा, उद्यमिता, स्टार्ट-अप, नवाचारों और एमएसएमई पर अपने ध्यान के साथ भारत दिलचस्प आर्थिक निर्णयों और रणनीतियों के कारण आगे बढ़ रहा है। स्पष्ट आर्थिक विकास एमएसएमई विकास और पुनरुद्धार का प्रमाण है, विशेष रूप से महामारी की सबसे गंभीर लहर के बाद। यह मानने और घोषणा करना सही होगा कि एमएसएमई क्षेत्र में विकास स्पष्ट है, और पूरे देश में कई तरह से खुद को प्रकट कर रहा है। इसके पीछे प्राथमिक कारण, जैसा कि मैं देख रहा हूँ, सार्वजनिक नीति में प्रगतिशील परिवर्तन है। इस अवसर पर बोलते हुए भारतीय उद्यमिता विकास

संस्थान (ईडीआईआई) के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ल ने कहा, ईडीआईआई क्लस्टर विकास, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, अनुसंधान और नीति के तहत कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और परियोजनाओं पर एमएसएमई मंत्रालय के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है।

हम सावधानीपूर्वक तैयार की गई रणनीतियों के साथ एमएसएमई क्षेत्र को और अधिक मापनीयता और विस्तारशीलता प्रदान करने के लिए तत्पर हैं। शिखर सम्मेलन के दौरान, विशेषज्ञ कोविड-19 महामारी के बीच MSME क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों जैसे विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। वे स्वस्थ विकास में गति, MSME प्रतिस्पर्धा में अनुकूल नीतियों और गैर-वित्तीय व्यवसाय विकास सेवाओं की भूमिका, और MSME कैसे काम कर सकते हैं, इस पर चर्चा करेंगे। एमएसएमई क्षेत्र के विकास के आलोक में पीपल, प्लैनेट एंड प्रॉफिट पर एक विशेष पैनल चर्चा का आयोजन किया गया है। एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता, भारतीय एमएसएमई के अंतर्राष्ट्रीयकरण, प्रौद्योगिकी और नवाचार, एमएसएमई के डिजिटल परिवर्तन, उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र और एमएसएमई क्षेत्र में उभरते अवसरों और लिंग और वंचित समुदायों की उद्यमिता विषयों पर भी चर्चा करेंगे।

PUBLICATION NAME :	Prahar
EDITION :	Mumbai
DATE :	30/3/2022
PAGE :	3

एमएसएमई हे उद्योग विकासाचे वेगवर्धक

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे यांचे प्रतिपादन



नवी दिल्ली (वृत्तसंस्था) :

देशांतर्गत उत्पादनात महत्त्वपूर्ण योगदान देणारे सूक्ष्म, लघू आणि मध्यम उद्योग विकासाचे वेगवर्धक असून त्यांना बळकट करणे आवश्यक आहे, असे केंद्रीय सूक्ष्म, लघू आणि मध्यम उद्योग मंत्री नारायण राणे यांनी सांगितले. सूक्ष्म, लघू आणि मध्यम उद्योग मंत्रालय (एमएसएमई) आणि भारतीय उद्योजकता विकास संस्था (ईडीआय) यांच्या वतीने आयोजित सूक्ष्म, लघू आणि मध्यम उद्योग स्पर्धात्मकता आणि विकास या विषयावरील दोनदिवसीय परिषदेचे उद्घाटन करताना मंगळवारी त्यांनी देशांतर्गत उत्पादनात सूक्ष्म, लघू आणि मध्यम उद्योगांच्या महत्त्वावर भर दिला.

बऱ्याच काळापासून, सूक्ष्म, लघू आणि मध्यम उद्योग किमान संसाधनांमध्ये काम करत आहेत आणि तरीही देशांतर्गत उत्पादनात महत्त्वपूर्ण योगदान देत आहेत. त्यामुळे हे आपल्या हातात असलेले, विकासाला वेग देणारे उद्योगक्षेत्र बळकट करणे आवश्यक आहे, असे राणे यांनी सांगितले.

या क्षेत्राला बळकट करण्यासाठी निश्चितच या दिशेने महत्त्वपूर्ण सामूहिक प्रयत्न झाले आहेत आणि सूक्ष्म, लघू आणि मध्यम उद्योगांसाठी नवीन मार्ग खुले करण्याच्या दिशेने सरकारच्या विविध योजना चालना देत आहेत, असे त्यांनी सांगितले.

सूक्ष्म, लघू आणि मध्यम उद्योग क्षेत्राला वित्तीय संस्थांकडून अखंड पतपुरवठा, विकास

आणि आधुनिकीकरणासाठी तंत्रज्ञान पाठबळ, निर्यातीसाठी बाजारपेठांमध्ये प्रवेश, पायाभूत सुविधा, प्रशिक्षण आणि क्षमता बांधणी सुविधा आणि या क्षेत्रात कार्यरत मनुष्यबळाचे कल्याण या बाबी सरकारने चांगल्या प्रकारे सुनिश्चित केल्या आहेत, असे ते म्हणाले.

दोनदिवसीय परिषदेत विविध विचारमंथन सत्र होणार आहे आणि सूक्ष्म, लघू आणि मध्यम उद्योगा क्षेत्रातील सुधारणा, आकाने आणि विकासाच्या संधीवर परिसंवाद होणार आहे. त्याचप्रमाणे भारत, सिंगापुर, पेरू, लाओ पीडीआर, रवांडा, म्यानमार, रशिया, उझबेकिस्तान, स्पेन आणि इराणमधील वक्ते आणि तज्ज्ञ या परिषदेत त्यांचे अनुभव सांगतील.

PUBLICATION NAME :	Rashtriya Sahara
EDITION :	Delhi
DATE :	31/3/2022
PAGE :	

वर्ल्ड मार्केट इंटेलिजेंस नेटवर्क बनेगा

■ इससे निर्यात को मिलेगा बढ़ावा ■ एमएसएमई को मिलेंगे नए बाजार

■ एमएसएमई क्षेत्र का निर्यात बढ़ाने में ली जाएगी वर्ल्ड मार्केट इंटेलिजेंस नेटवर्क की मदद

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से देश का निर्यात बढ़ाने के लिए वैश्विक बाजार आसूचना नेटवर्क (इंटेलिजेंस नेटवर्क) स्थापित कर रही है। वैश्विक बाजार 'आसूचना नेटवर्क' विदेशी बाजारों पर निर्यात से संबंधित आंकड़ों के मामले में ज्ञान के भंडार के रूप में कार्य करेगा और एमएसएमई निर्यातकों के लिए आसान बाजार पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा।

एमएसएमई मंत्रालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (ईडीआईआई) द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्री राणे ने कहा कि सरकार एमएसएमई क्षेत्र को

मजबूत बनाने को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा, 'हमारा ध्यान आसान ऋण, बेहतर प्रौद्योगिकी सहायता और निर्यात बाजारों तक पहुंच प्रदान करने पर है। हम चाहते हैं कि



हमारा एमएसएमई क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बने और विकसित हो।' राणे ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय एक वैश्विक बाजार 'इंटेलिजेंस नेटवर्क' स्थापित कर रहा है जो एमएसएमई निर्यात में मदद करेगा। एक अनुमान के

अनुसार, देश का एमएसएमई क्षेत्र निर्यात में 45 प्रतिशत योगदान करता है। इस खंड से निर्यात बढ़ाने की काफी संभावना है। हालांकि, व्यापार से संबंधित भरोसेमंद आंकड़ों की कमी प्रमुख बाधा है। इससे एमएसएमई क्षेत्र नए बाजार में अवसरों का उपयोग कर वास्तविक निर्यात क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा। मंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से एमएसएमई क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक गतिशील विकास इंजन बनाने को लेकर रूपरेखा तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एमएसएमई को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए अधिक शोध और नवोन्मेष तथा नए व्यावसायिक विचारों की जरूरत है।

मंत्री ने कहा कि ईडीआईआई जैसे संस्थान एमएसएमई को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद कर सकते हैं।

PUBLICATION NAME :	Sunvilla Samachar
EDITION :	Ahmedabad
DATE :	31/3/2022
PAGE :	4

MSMEs are growth accelerators; necessary to strengthen them: Shri Narayan Rane



Union Minister for MSME, Shri Narayan Rane, inaugurated the two-day mega summit on MSME competitiveness and growth being organized by the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) in the august presence of Shri Bhanu Pratap Singh Verma, Minister of State (MoS), MSME.

The two-day summit (March 29th-30th) will witness brainstorming sessions and panel discussions on the enhancements, challenges and growth opportunities in the MSME sector and speakers and experts from India, Singapore, Peru, Lao PDR, Rwanda, Myanmar, Russia, Uzbekistan, Spain and Iran, will share their experiences at the summit. The summit is also going to be attended by entrepreneurs, academicians, policymakers, industry leaders, thought leaders, business chambers, industry associations, startups, social impact organizations, MSMEs and self-help groups from across the world. Speaking.

PUBLICATION NAME :	NavGujarat Times
EDITION :	Surat
DATE :	31/3/2022
PAGE :	5

એમએસએમઈની વૃદ્ધિને વેગ મળ્યો છે, તેમને મજબૂત કરવાની તાતી જરૂર છે: નારાયણ રાણે

■ બ્યુરો દ્વારા

■ અમદાવાદ, તા. ૩૦

કેન્દ્રીય એમએસએમઈ મંત્રી નારાયણ રાણેએ સુક્ષ્મ, લઘુ અને મધ્યમ ઉદ્યોગસાહસો (એમએસએમઈ) અને આંતરપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ઈન્ડિયા (ઈડીઆઈઆઈ) દ્વારા આયોજિત એમએસએમઈની સ્પર્ધાત્મકતા અને વૃદ્ધિ પર બે-દિવસીય મેગા સમિટનું ઉદ્ઘાટન કર્યું હતું. આ પ્રસંગે રાજ્ય

કક્ષાના (એમઓએસ) કેન્દ્રીય એમએસએમઈ મંત્રી ભાનુપ્રતાપસિંહ વર્મા પણ ઉપસ્થિત હતા. આ બે-દિવસીય સમિટમાં એમએસએમઈ ક્ષેત્રમાં વૃદ્ધિ, પડકારો અને તકો પર ચર્ચા સત્રો અને પેનલ ચર્ચા જોવા મળશે તથા ભારત, સિંગાપોર પેરુ, રવાન્ડા, મ્યાનમાર, રશિયા, ઉઝબેકિસ્તાન, સ્પેન અને ઈરાનમાંથી વક્તાઓ અને નિષ્ણાતો સમિટમાં તેમના અનુભવો વહેંચશે. આ સમિટમાં

દુનિયાભરના ઉદ્યોગસાહસિકો, શિક્ષાવિદો, નીતિ ઘડવૈયાઓ, ઉદ્યોગના આગેવાનો, વિચારશીલ નેતાઓ, બિઝનેસ ચેમ્બર્સ, ઔદ્યોગિક સંગઠનો, સ્ટાર્ટ અપ્સ, સામાજિક પ્રભાવ સસ્થાઓ, એમએસએમઈ અને સ્વયંસહાય જૂથો પણ સામેલ થઈ રહ્યાં છે.

ઉલ્લેખનીય છે કે, આ કોન્ફરન્સમાં રાણેએ દેશની જીડીપીમાં એમએસએમઈના મહત્વ પર ભાર મુક્યો હતો.

PUBLICATION NAME :	Standard Herald
EDITION :	Ahmedabad
DATE :	31/3/2022
PAGE :	7

એમએસએમઈની વૃદ્ધિને વેગ મળ્યો ; મજબૂત કરવાની જરૂર : નારાયણ રાણે

નવી દિલ્હી: કેન્દ્રીય એમએસએમઈ મંત્રી શ્રી નારાયણ રાણેએ સૂક્ષ્મ, લઘુ અને મધ્યમ ઉદ્યોગસાહસો (એમએસએમઈ) અને આંતરપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (ઈડીઆઈઆઈ) દ્વારા આયોજિત એમએસએમઈની સ્પર્ધાત્મકતા અને વૃદ્ધિ પર બે-દિવસીય મેગા સમિટનું ઉદ્ઘાટન કર્યું હતું. આ પ્રસંગે રાજ્ય કક્ષાના (એમઓએસ) કેન્દ્રીય એમએસએમઈ મંત્રી શ્રી ભાનુપ્રતાપ સિંહ વર્મા પણ ઉપસ્થિત હતાં. આ બે-દિવસીય સમિટમાં એમએસએમઈ ક્ષેત્રમાં વૃદ્ધિ, પડકારો અને તકો પર ચર્ચા સત્રો અને પેનલ ચર્ચા જોવા મળશે તથા ભારત, સિંગાપોર, પેરુ, રવાન્ડા, મ્યાન્માર, રશિયા, ઉઝબેકિસ્તાન, સ્પેન અને ઈરાનમાંથી વક્તાઓ અને નિષ્ણાતો સમિટમાં તેમના અનુભવો વહેંચશે. આ સમિટમાં દુનિયાભરના ઉદ્યોગસાહસિકો, શિક્ષાવિદો, નીતિઘડવૈયાઓ, ઉદ્યોગના આગેવાનો, વિચારશીલ નેતાઓ, બિઝનેસ ચેમ્બર્સ, ઔદ્યોગિક સંગઠનો, સ્ટાર્ટઅપ્સ, સામજિક પ્રભાવ સંસ્થાઓ,

એમએસએમઈ અને સ્વયંસહાય જૂથો પણ સામેલ થઈ રહ્યાં છે.

આ કોન્ફરન્સમાં શ્રી રાણેએ દેશની જીડીપીમાં એમએસએમઈના મહત્વ પર ભાર મૂક્યો હતો. તેમણે કહ્યું હતું કે, “અત્યારે લાંબા સમયથી એમએસએમઈ લઘુત્તમ સંસાધનો સાથે કામ કરે છે અને છતાં દેશની જીડીપીમાં નોંધપાત્ર પ્રદાન કરે છે. એટલે આ જરૂરી છે કે, આ વૃદ્ધિ પ્રેરકબળો મજબૂત થાય અને ઉપયોગી બને. આ દિશામાં ક્ષેત્રને મજબૂત કરવા મહત્વપૂર્ણ સહિયારા પ્રાયસો થયા છે. સરકારની વિવિધ યોજનાઓ એમએસએમઈ માટે નવા વિકલ્પો ઊભા કરવા કામ કરી રહી છે.” તેમણે ઉમેર્યું હતું કે, “સરકારે સુનિશ્ચિત કર્યું છે કે, એમએસએમઈ ક્ષેત્રને નાણાકીય સંસ્થાઓ પાસેથી સતત ધિરાણ મળે, વિકાસ અને આધુનિકીકરણ માટે ટેકનોલોજી સપોર્ટ મળે, નિકાસ બજારોની સુલભતા પ્રાપ્ત થાય, માળખાગત સુવિધા મળે, તાલીમ અને ક્ષમતા નિર્માણ સુવિધા મળે તથા કર્મચારીઓનું કલ્યાણ સુનિશ્ચિત થાય.”

PUBLICATION NAME :	Divya Gujarat
EDITION :	Ahmedabad
DATE :	31/3/2022
PAGE :	3

એમએસએમઈની વૃદ્ધિને વેગ મળ્યો છે; તેમને મજબૂત કરવાની જરૂર છે : નારાયણ રાણે

કેન્દ્રીય એમએસએમઈ મંત્રી શ્રી નારાયણ રાણેએ સૂક્ષ્મ, લઘુ અને મધ્યમ ઉદ્યોગસાહસો (એમએસએમઈ) અને આંતરપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (ઈડીઆઈઆઈ) દ્વારા આયોજિત એમએસએમઈની સ્પર્ધાત્મકતા અને વૃદ્ધિ પર બે-દિવસીય મેગા સમિટનું ઉદ્ઘાટન કર્યું હતું. આ પ્રસંગે રાજ્ય કક્ષાના (એમઓએસ) કેન્દ્રીય એમએસએમઈ મંત્રી શ્રી ભાનુપ્રતાપ સિંહ વર્મા પણ ઉપસ્થિત હતાં. આ બે-દિવસીય સમિટમાં એમએસએમઈ ક્ષેત્રમાં વૃદ્ધિ, પડકારો અને તેકો પર ચર્ચા સત્રો અને પેનલ ચર્ચા જોવા મળશે તથા ભારત, સિંગાપોર, પેરુ, રવાન્ડા, મ્યાન્માર, રશિયા, ઉઝબેકિસ્તાન, સ્પેન અને ઈરાનમાંથી વક્તાઓ અને નિષ્ણાતો સમિટમાં તેમના અનુભવો વહેંચશે.



આ સમિટમાં દુનિયાભરના ઉદ્યોગસાહસિકો, શિક્ષાવિદો, નીતિઘડવૈયાઓ, ઉદ્યોગના આગેવાનો, વિચારશીલ નેતાઓ, બિઝનેસ ચેમ્બર્સ, ઔદ્યોગિક સંગઠનો, સ્ટાર્ટઅપ્સ, સામજિક પ્રભાવ સંસ્થાઓ, એમએસએમઈ અને સ્વયંસહાય જૂથો પણ સામેલ થઈ રહ્યાં છે. આ કોન્ફરન્સમાં શ્રી રાણેએ દેશની જીડીપીમાં એમએસએમઈના મહત્વ પર ભાર મૂક્યો હતો. તેમણે

કહ્યું હતું કે, “અત્યારે લાંબા સમયથી એમએસએમઈ લઘુત્તમ સંસાધનો સાથે કામ કરે છે અને છતાં દેશની જીડીપીમાં નોંધપાત્ર પ્રદાન કરે છે. એટલે આ જરૂરી છે કે, આ વૃદ્ધિ પ્રેરકબળો મજબૂત થાય અને ઉપયોગી બને. આ દિશામાં ક્ષેત્રને મજબૂત કરવા મહત્વપૂર્ણ સહિયારા પ્રાયસો થયા છે. સરકારની વિવિધ યોજનાઓ એમએસએમઈ માટે નવા વિકલ્પો ઊભા કરવા કામ કરી રહી છે.” તેમણે ઉમેર્યું હતું કે, “સરકારે સુનિશ્ચિત કર્યું છે કે, એમએસએમઈ ક્ષેત્રને નાણાકીય સંસ્થાઓ પાસેથી સતત ધિરાણ મળે, વિકાસ અને આધુનિકીકરણ માટે ટેકનોલોજી સપોર્ટ મળે, નિકાસ બજારોની સુલભતા પ્રાપ્ત થાય, માળખાગત સુવિધા મળે, તાલીમ અને ક્ષમતા નિર્માણ સુવિધા મળે તથા કર્મચારીઓનું કલ્યાણ સુનિશ્ચિત થાય.”

PUBLICATION NAME :	Prabhat
EDITION :	Ahmedabad
DATE :	31/3/2022
PAGE :	7

એમએસએમઈની વૃદ્ધિને વેગ મળ્યો; તેમને મજબૂત કરવાની જરૂર : નારાયણ રાણે

એમદાવાદ, તા. ૩૦ કેન્દ્રીય એમએસએમઈ મંત્રી શ્રી નારાયણ રાણેએ સૂક્ષ્મ, લઘુ અને મધ્યમ ઉદ્યોગસાહસી (એમએસએમઈ) અને આંતરપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (ઈડીઆઈઆઈ) દ્વારા આયોજિત એમએસએમઈની સ્પર્ધાત્મકતા અને વૃદ્ધિ પર બેપ્રદિવસીય મેગા સમિટનું ઉદ્ઘાટન કર્યું હતું. આ પ્રસંગે રાજ્ય કક્ષાના (એમઓએસ) કેન્દ્રીય એમએસએમઈ મંત્રી શ્રી ભાનુપ્રતાપ સિંહ વર્મા પણ ઉપસ્થિત હતાં. આ બેપ્રદિવસીય સમિટમાં એમએસએમઈ ક્ષેત્રમાં વૃદ્ધિ, પડકારો અને તકો પર ચર્ચા સત્રો અને પેનલ ચર્ચા જોવા મળશે તથા ભારત, સિંગાપોર, પેરુ, રવાન્ડા, મ્યાન્માર, રશિયા, ઉઝબેકિસ્તાન, સ્પેન અને ઈરાનમાંથી વક્તાઓ અને નિષ્ણાતો સમિટમાં તેમના અનુભવો વહેંચશે. આ સમિટમાં દુનિયાભરના ઉદ્યોગસાહસિકો, શિક્ષાવિદો, નીતિઘડવૈયાઓ, ઉદ્યોગના આગેવાનો, વિચારશીલ નેતાઓ, બિઝનેસ ચેમ્બર્સ, ઔદ્યોગિક સંગઠનો, સ્ટાર્ટઅપ્સ, સામજિક પ્રભાવ સંસ્થાઓ, એમએસએમઈ અને

સ્વયંસહાય જૂથો પણ સામેલ થઈ રહ્યાં છે.

શ્રી રાણેએ દેશની જીડીપીમાં એમએસએમઈના મહત્વ પર ભાર મૂક્યો હતો. તેમણે કહ્યું હતું કે, “અત્યારે લાંબા સમયથી એમએસએમઈ લઘુતમ સંસાધનો સાથે કામ કરે છે અને છતાં દેશની જીડીપીમાં નોંધપાત્ર પ્રદાન કરે છે. એટલે આ જરૂરી છે કે, આ વૃદ્ધિ પ્રેરકબળો મજબૂત થાય અને ઉપયોગી બને. આ દિશામાં ક્ષેત્રને મજબૂત કરવા મહત્વપૂર્ણ સહિયારા પ્રાયસો થયા છે. સરકારની વિવિધ યોજનાઓ એમએસએમઈ માટે નવા વિકલ્પો ઊભા કરવા કામ કરી રહી છે.” તેમણે ઉમેર્યું હતું કે, “સરકારે સુનિશ્ચિત કર્યું છે કે, એમએસએમઈ ક્ષેત્રને નાણાકીય સંસ્થાઓ પાસેથી સતત ધિરાણ મળે, વિકાસ અને આધુનિકીકરણ માટે ટેકનોલોજી સર્પોર્ટ મળે, નિકાસ બજારોની સુલભતા પ્રાપ્ત થાય, માળખાગત સુવિધા મળે, તાલીમ અને ક્ષમતા નિર્માણ સુવિધા મળે તથા કર્મચારીઓનું કલ્યાણ સુનિશ્ચિત થાય.”

શ્રી ભાનુપ્રતાપ સિંહ વર્માએ તેમના સંબોધનમાં કહ્યું હતું કે, “ઉદ્યોગસાહસિકતા, સ્ટાર્ટ-અપ્સ,

ઈનોવેશન અને એમએસએમઈ પર પોતાના ધ્યાન સાથે ભારત રસપ્રદ આર્થિક નિર્ણયો અને વ્યૂહરચનાઓને પગલે લાભદાયક સમયમાં છે. આ આર્થિક વૃદ્ધિ એમએસએમઈના વિકાસનો અને એને ચેતનવંતા કરવાનો પુરાવો છે, ખાસ કરીને મહામારીની બીજી સૌથી ગંભીર લહેર પછી. મારું માનવું છે કે, એમએસએમઈ ક્ષેત્રમાં વૃદ્ધિ વ્યવહારિક છે અને સમગ્ર દેશમાં ઘણી રીતે ઊડીને આંખે વળગે છે એવું જાહેર કરવું ઉચિત રહેશે. હું આની પાછળ મુખ્ય કારણ જાહેર નીતિમાં પ્રગતિશીલ પરિવર્તનોને માનું છું.”

આ પ્રસંગે આંતરપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (ઈડીઆઈઆઈ)ના ડિરેક્ટર જનરલ ડો. સુનિલ શુક્લાએ કહ્યું હતું કે, “ઈડીઆઈઆઈ કલસ્ટર ડેવલપમેન્ટ, તાલીમ અને ક્ષમતાનિર્માણ, સંશોધન અને નીતિગત હિમાયત અંતર્ગત ચાલતા કેટલાંક મહત્વપૂર્ણ કાર્યક્રમો અને પ્રોજેક્ટ્સ પર એમએસએમઈ મંત્રાલય સાથે ગાઢ જોડાણ ધરાવે છે. અમે કાળજીપૂર્વક બનાવેલી વ્યૂહરચનાઓ સાથે એમએસએમઈ ક્ષેત્રને કામગીરીને હજુ વધારવા આતુર છીએ.”

PUBLICATION NAME :	Sunvilla Samachar
EDITION :	Ahmedabad
DATE :	31/3/2022
PAGE :	4

એમએસએમઈની વૃદ્ધિને વેગ મળ્યો છે; તેમને મજબૂત કરવાની જરૂર છે: શ્રી નારાયણ રાણે

સનવિલા ન્યુઝ, અમદાવાદ, તા. 30

કેન્દ્રીય એમએસએમઈ મંત્રી શ્રી નારાયણ રાણેએ સૂક્ષ્મ, લઘુ અને મધ્યમ ઉદ્યોગસાહસો (એમએસએમઈ) અને આંતરપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (ઈડીઆઈઆઈ) દ્વારા આયોજિત એમએસએમઈની સ્પર્ધાત્મકતા અને વૃદ્ધિ પર બે-દિવસીય મેગા સમિટનું ઉદ્ઘાટન કર્યું હતું. આ પ્રસંગે રાજ્ય કક્ષાના (એમઓએસ) કેન્દ્રીય એમએસએમઈ મંત્રી શ્રી ભાનુપ્રતાપ સિંહ વર્મા પણ ઉપ



સ્થિત હતાં. આ બે-દિવસીય સમિટમાં એમએસએમઈ ક્ષેત્રમાં વૃદ્ધિ, પડકારો અને તકો પર ચર્ચા સત્રો અને પેનલ ચર્ચા જોવા મળશે તથા ભારત, સિંગાપોર, પેરુ, રવાન્ડા, મ્યાન્માર.

PUBLICATION NAME :	Satellite Samachar
EDITION :	Ahmedabad
DATE :	31/3/2022
PAGE :	2

એમએસએમઈની વૃદ્ધિને વેગ મળ્યો છે; તેમને મજબૂત કરવાની જરૂર છે: શ્રી નારાયણ રાણે



નવી દિલ્હી: કેન્દ્રીય એમએસએમઈ મંત્રી શ્રી નારાયણ રાણેએ સૂક્ષ્મ, લઘુ અને મધ્યમ ઉદ્યોગસાહસો (એમએસએમઈ) અને આંતરપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (ઈડીઆઈઆઈ) દ્વારા આયોજિત એમએસએમઈની સ્પર્ધાત્મકતા અને વૃદ્ધિ પર બે-દિવસીય મેગા સમિટનું ઉદ્ઘાટન કર્યું હતું. આ પ્રસંગે રાજ્ય કક્ષાના (એમઓએસ) કેન્દ્રીય એમએસએમઈ મંત્રી શ્રી ભાનુપ્રતાપ સિંહ વર્મા પણ ઉપસ્થિત હતાં. આ બે-દિવસીય સમિટમાં એમએસએમઈ

ક્ષેત્રમાં વૃદ્ધિ, પડકારો અને તકો પર ચર્ચાસત્રો અને પેનલ ચર્ચા જોવા મળશે તથા ભારત, સિંગાપોર, પેરુ, રવાન્ડા, મ્યાન્માર, રશિયા, ઉઝબેકિસ્તાન, સ્પેન અને ઈરાનમાંથી વક્તાઓ અને નિષ્ણાતો સમિટમાં તેમના અનુભવો વહેંચશે. આ સમિટમાં દુનિયાભરના ઉદ્યોગસાહસિકો, શિક્ષાવિદો, નીતિ ઘડવૈયાઓ, ઉદ્યોગના આગેવાનો, વિચારશીલ નેતાઓ, બિઝનેસ એમ્બસર્સ, ઔદ્યોગિક સંગઠનો, સ્ટાર્ટઅપ્સ, સામજિક પ્રભાવ સંસ્થાઓ, એમએસએમઈ અને સ્વયંસહાય જૂથો પણ સામેલ થઈ રહ્યાં છે.

આ કોન્ફરન્સમાં શ્રી રાણેએ દેશની જીડીપીમાં એમએસએમઈના મહત્વ પર ભાર મૂક્યો હતો.

તેમણે કહ્યું હતું કે, “અત્યારે લાંબા સમયથી એમએસએમઈ

લઘુતમ સંસાધનો સાથે કામ કરે છે અને છતાં દેશની જીડીપીમાં નોંધપાત્ર પ્રદાન કરે છે. એટલે આ જરૂરી છે કે, આ વૃદ્ધિ પ્રેરકબળો મજબૂત થાય અને ઉપયોગી બને. આ દિશામાં ક્ષેત્રને મજબૂત કરવા મહત્વપૂર્ણ સહિયારા પ્રાયસો થયા છે. સરકારની વિવિધ યોજનાઓ એમએસએમઈ માટે નવા વિકલ્પો ઊભા કરવા કામ કરી રહી છે.” તેમણે ઉમેર્યું હતું કે, “સરકારે સુનિશ્ચિત કર્યું છે કે, એમએસએમઈ ક્ષેત્રને નાણાકીય સંસ્થાઓ પાસેથી સતત ધિરાણ મળે, વિકાસ અને આધુનિકીકરણ માટે ટેકનોલોજી સપોર્ટ મળે, નિકાસ બજારોની સુલભતા પ્રાપ્ત થાય, માળખાગત સુવિધા મળે, તાલીમ અને ક્ષમતા નિર્માણ સુવિધા મળે તથા કર્મચારીઓનું કલ્યાણ સુનિશ્ચિત થાય.”

PUBLICATION NAME :	Divya Bhaskar (City Bhaskar)
EDITION :	Ahmedabad
DATE :	30/3/2022
PAGE :	9

SUMMIT

EDII દ્વારા મેગા ઇન્ટરનેશનલ સમિટ યોજાઈ

MSME હવે ગ્રોથ સ્ટેજ પર છે, તેને મજબૂત કરવાની જરૂર છે: નારાયણ રાણે

અમદાવાદ | માઈક્રો, સ્મોલ અને મીડિયમ એમએસએમઈ અને આંતરિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા દ્વારા એમએસએમઈ ક્ષેત્રની કોમ્પિટેટિવનેસ અને ગ્રોથ વિષય પર બે દિવસીય મેગા સમિટ યોજવામાં આવી છે. યુનિયન મિનિસ્ટર ઓફ એમએસએમઈ નારાયણ રાણેએ કોન્ફરન્સમાં દેશની જીડીપીમાં એમએસએમઈના મહત્વ પર ભાર મૂક્યો હતો. તેમણે કહ્યું હતું કે, 'લાંબા સમયથી એમએસએમઈ મિનિમમ રિસોર્સ સાથે કામ કરે છે અને છતાં દેશની જીડીપીમાં નોંધપાત્ર પ્રદાન કરે છે. એટલે આ જરૂરી છે કે, આ ગ્રોથ દ્વારા એમએસએમઈ વધારે મજબૂત થાય અને ઉપયોગી બને. આ ક્ષેત્રને મજબૂત કરવા સરકારની વિવિધ યોજનાઓ એમએસએમઈ માટે નવા વિકલ્પો ઊભા કરવા કામ કરી રહી છે.' જ્યારે ઈડીઆઈઆઈના ડાયરેક્ટર જનરલ ડૉ.



સુનિલ શુક્લાએ કહ્યું હતું કે, 'ઈડીઆઈઆઈ કલસ્ટર ડેવલપમેન્ટ, ટ્રેનિંગ અને કેપેસિટી બિલ્ડિંગ, રિસર્ચ અને પોલિસી એડ્વોકેસી જેવા પ્રોજેક્ટ્સને લઈને એમએસએમઈ મંત્રાલય સાથે સતત કામ કરી રહ્યું છે. ઈડીઆઈઆઈની સ્ટ્રેટજી એમએસએમઈ ક્ષેત્રમાં કામગીરીને વધુ સારી રીતે કરવા આતુર છીએ.'

PUBLICATION NAME :	Sandesh (City Life)
EDITION :	Ahmedabad
DATE :	30/3/2022
PAGE :	1

એમએસએમઈની વૃદ્ધિને
વેગ મળ્યો છે; તેમને
મજબૂત કરવાની ઈચ્છા
છે : નારાયણ રાણે

EDIIમાંMSMEની સ્પર્ધાત્મકતા અને વૃદ્ધિ પર મેગા સમિટનો પ્રારંભ



સિટી લાઈફ : આંતરપ્રિન્યોરશિપ
ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ
ઓફ ઈન્ડિયા (EDII) દ્વારા
બે દિવસીય MSMEની
સ્પર્ધાત્મકતા અને વૃદ્ધિ પર
મેગા સમિટનો પ્રારંભ કરવામાં
આવ્યો છે. આ સમિટમાં
દુનિયાભરના ઉદ્યોગસાહસિકો,

શિક્ષાવિદો, નીતિ ઘડવૈયાઓ,
ઉદ્યોગના આગેવાનો,
વિચારશીલ નેતાઓ, બિઝનેસ
એક્ઝર્સ, ઔદ્યોગિક સંગઠનો,
સ્ટાર્ટઅપ્સ, સામજિક પ્રભાવ
સંસ્થાઓ, એમએસએમઈ
અને સ્વયંસહાય જૂથો
જોડાઈને પોતાનો મત રજૂ
કરશે. કેન્દ્રીય એમએસએમઈ
મંત્રી નારાયણ રાણેએ મેગા
સમિટનું ઈનોએશન કર્યું હતું.
આ બે-દિવસીય સમિટમાં
એમએસએમઈ ક્ષેત્રમાં વૃદ્ધિ,
પડકારો અને તકો પર ચર્ચા
સત્રો અને પેનલ ચર્ચા જોવા
મળશે તથા ભારત, સિંગાપોર,
પેરુ, રવાન્ડા, મ્યાંમાર,

રશિયા, ઉઝબેકિસ્તાન, સ્પેન
અને ઈરાનમાંથી વક્તાઓ
અને નિષ્ણાતો સમિટમાં તેમના
અનુભવો શેર કરશે.

PUBLICATION NAME :	Suryakal
EDITION :	Ahmedabad
DATE :	01/04/2022
PAGE :	2

ઈડીઆઈએ એમએસએમઈની વૃદ્ધિ માટે મેગા સમિટનું આયોજન કર્યું

નવી દિલ્હી, શુક્રવાર

કેન્દ્રીય એમએસએમઈ મંત્રી શ્રી નારાયણ રાણેએ સૂક્ષ્મ, લઘુ અને મધ્યમ ઉદ્યોગસાહસી (એમએસએમઈ) અને આંતરપ્રિન્સિપોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (ઈડીઆઈઆઈ) દ્વારા આયોજિત એમએસએમઈની સ્પર્ધાત્મકતા અને વૃદ્ધિ પર બે-દિવસીય મેગા સમિટનું ઉદ્ઘાટન કર્યું હતું. આ પ્રસંગે રાજ્ય કક્ષાના (એમઓએસ) કેન્દ્રીય એમએસએમઈ મંત્રી શ્રી ભાનુપ્રતાપ સિંહ વર્મા પણ ઉપસ્થિત હતાં. આ બે-દિવસીય સમિટમાં એમએસએમઈ ક્ષેત્રમાં વૃદ્ધિ, પડકારો અને તકો પર ચર્ચા સત્રી અને પેનલ ચર્ચા જોવા મળશે તથા ભારત, સિંગાપોર, પેરુ, રવાન્ડા, મ્યાન્માર, રશિયા, ઉઝબેકિસ્તાન, સ્પેન અને ઈરાનમાંથી વક્તાઓ અને નિષ્ણાતો સમિટમાં તેમના અનુભવો વહેંચશે. આ સમિટમાં દુનિયાભરના ઉદ્યોગસાહસિકો, શિક્ષાવિદો, નીતિઘડવૈયાઓ, ઉદ્યોગના આગેવાનો, વિચારશીલ નેતાઓ, બિઝનેસ ચેમ્બર્સ, ઔદ્યોગિક સંગઠનો, સ્ટાર્ટઅપ્સ, સામજિક પ્રભાવ



સંસ્થાઓ, એમએસએમઈ અને સ્વયંસહાય જૂથો પણ સામેલ થઈ રહ્યાં છે.

આ કોન્ફરન્સમાં શ્રી રાણેએ દેશની જીડીપીમાં એમએસએમઈના મહત્વ પર ભાર મૂક્યો હતો. તેમણે કહ્યું હતું કે, “અત્યારે લાંબા સમયથી એમએસએમઈ લઘુત્તમ સંસાધનો સાથે કામ કરે છે અને છતાં દેશની જીડીપીમાં નોંધપાત્ર પ્રદાન કરે છે. એટલે આ જરૂરી છે કે, આ વૃદ્ધિ પ્રેરકબળો મજબૂત થાય અને ઉપયોગી બને. આ દિશામાં ક્ષેત્રને મજબૂત કરવા મહત્વપૂર્ણ સહિયારા પ્રાયસો થયા છે. સરકારની વિવિધ યોજનાઓ એમએસએમઈ માટે નવા વિકલ્પો ઊભા કરવા કામ કરી રહી છે.” તેમણે ઉમેર્યું હતું કે, “સરકારે સુનિશ્ચિત કર્યું છે કે,

એમએસએમઈ ક્ષેત્રને નાણાકીય સંસ્થાઓ પાસેથી સતત ધિરાણ મળે, વિકાસ અને આધુનિકીકરણ માટે ટેકનોલોજી સપોર્ટ મળે, નિકાસ બજારોની સુલભતા પ્રાપ્ત થાય, માળખાગત સુવિધા મળે, તાલીમ અને ક્ષમતા નિર્માણ સુવિધા મળે તથા કર્મચારીઓનું કલ્યાણ સુનિશ્ચિત થાય.”

શ્રી ભાનુપ્રતાપ સિંહ વર્માએ તેમના સંબોધનમાં કહ્યું હતું કે, “ઉદ્યોગસાહસિકતા, સ્ટાર્ટ-અપ્સ, ઈનોવેશન અને એમએસએમઈ પર પોતાના ધ્યાન સાથે ભારત રસપ્રદ આર્થિક નિર્ણયો અને વ્યૂહરચનાઓને પગલે લાભદાયક સમયમાં છે. આ આર્થિક વૃદ્ધિ એમએસએમઈના વિકાસનો અને એને ચેતનવંતા કરવાનો પુરાવો છે, ખાસ કરીને મહામારીની બીજી સૌથી ગંભીર લહેર પછી. મારું માનવું છે કે, એમએસએમઈ ક્ષેત્રમાં વૃદ્ધિ વ્યવહારિક છે અને સમગ્ર દેશમાં ઘણી રીતે ઊડીને આંખે વળગે છે એવું જાહેર કરવું ઉચિત રહેશે. હું આની પાછળ મુખ્ય કારણ જાહેર નીતિમાં પ્રગતિશીલ પરિવર્તનોને માનું છું.”

PUBLICATION NAME :	Gujarat Pranam
EDITION :	Ahmedabad
DATE :	31/03/2022
PAGE :	2

એમએસએમઈની વૃદ્ધિને વેગ મળ્યો છે; તેમને મજબૂત કરવાની જરૂર છે: શ્રી નારાયણ રાણે

નવી દિલ્હી: કેન્દ્રીય એમએસએમઈ મંત્રી શ્રી નારાયણ રાણેએ સૂક્ષ્મ, લઘુ અને મધ્યમ ઉદ્યોગસાહસો (એમએસએમઈ) અને આંતરપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (ઈડીઆઈઆઈ) દ્વારા આયોજિત એમએસએમઈની સ્પર્ધાત્મકતા અને વૃદ્ધિ પર બે-દિવસીય મેગા સમિટનું ઉદ્ઘાટન કર્યું હતું. આ પ્રસંગે રાજ્ય કક્ષાના (એમઓએસ) કેન્દ્રીય એમએસએમઈ મંત્રી શ્રી ભાનુપ્રતાપ સિંહ વર્મા પણ ઉપસ્થિત હતાં. આ બે-દિવસીય સમિટમાં એમએસએમઈ ક્ષેત્રમાં વૃદ્ધિ, પડકારો અને તકો પર ચર્ચા સત્રો અને પેનલ ચર્ચા જોવા મળશે તથા ભારત, સિંગાપોર, પેરુ, રવાન્ડા, મ્યાન્માર, રશિયા, ઉઝબેકિસ્તાન, સ્પેન અને ઈરાનમાંથી વક્તાઓ અને



નિષ્ણાતો સમિટમાં તેમના અનુભવો વહેંચશે. આ સમિટમાં દુનિયાભરના ઉદ્યોગસાહસિકો, શિક્ષાવિદો, નીતિ ઘડવૈયાઓ, ઉદ્યોગના આગેવાનો, વિચારશીલ નેતાઓ, બિઝનેસ ચેમ્બર્સ, ઔદ્યોગિક સંગઠનો, સ્ટાર્ટઅપ્સ, સામજિક પ્રભાવ સંસ્થાઓ, એમએસએમઈ અને સ્વયંસહાય જૂથો પણ સામેલ થઈ રહ્યાં છે.

આ કોન્ફરન્સમાં શ્રી રાણેએ દેશની જીડીપીમાં એમએસએમઈના મહત્વ પર ભાર મૂક્યો હતો.

PUBLICATION NAME :	Swadhikar
EDITION :	Bhubaneswar
DATE :	05/04/2022
PAGE :	3

ଏମ୍ଏସ୍‌ଏମ୍‌ଇ ମନ୍ତ୍ରଣାଳୟ ପକ୍ଷରୁ ସମ୍ମିଳନୀ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୪।୪ (ସ୍ୱାଧିକାର ନ୍ୟୁଜ): ଏଠାରେ ପ୍ରମୁଖ ଅରସିପ୍ ଡେଭେଲପମେଣ୍ଟ୍ ଇନଷ୍ଟିଚ୍ୟୁଟ୍ ଅଫ୍ ଇଣ୍ଡିଆ (ଇଡିଆଇଆଇ) ସହଯୋଗରେ ଭାରତ ସରକାରଙ୍କ ଅଣ୍ଟା, କ୍ଷୁଦ୍ର ଓ ମଧ୍ୟମ ଉଦ୍ୟୋଗ (ଏମ୍ଏସ୍‌ଏମ୍‌ଇ) ମନ୍ତ୍ରଣାଳୟ ସହଯୋଗରେ ଆୟୋଜିତ ଦୁଇ ଦିନିଆ ଏମ୍ଏସ୍‌ଏମ୍‌ଇ ପ୍ରତିଦ୍ୱନ୍ଦ୍ୱିତା ଓ ଅଭିବୃଦ୍ଧି ସମ୍ପର୍କିତ ମେଗା ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ସମ୍ମିଳନୀକୁ କେନ୍ଦ୍ର ଏମ୍ଏସ୍‌ଏମ୍‌ଇ ମନ୍ତ୍ରୀ ନାରାୟଣ ରାଣେ ଉଦଘାଟନ କରିଥିବା ବେଳେ ଏମ୍ଏସ୍‌ଏମ୍‌ଇ ରାଷ୍ଟ୍ରମନ୍ତ୍ରୀ ଭାନୁ ପ୍ରତାପ ସିଂହ ବର୍ମା ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ । ଏହି ଦୁଇ ଦିନିଆ ସମ୍ମିଳନୀରେ ମାନସ ମହୁନ ଓ ପ୍ୟାନେଲ୍ ଆଲୋଚନା ଆୟୋଜନ କରାଯାଇଥିଲା । ଭାରତ ସମେତ ସିଙ୍ଗାପୁର, ପେରୁ, ଲାଓ ପିଡିଆର, ର୍ୱାଣ୍ଡା, ମିଆଁମାର, ରୁଷ, ଉଜବେକିସ୍ତାନ, ସ୍ୱେନ ଓ ଇରାନର ବକ୍ତା ଓ ବିଶେଷଜ୍ଞମାନଙ୍କ ସମେତ ଉଦ୍ୟୋଗୀ, ନୀତି ନିର୍ଧାରକ, ଶିକ୍ଷ ନେତୃତ୍ୱ, ଶିକ୍ଷ ଚାନ୍ଦର, ଶିକ୍ଷ ସଂଘ, ଷ୍ଟାର୍ଟଅପ୍, ସାମାଜିକ ପ୍ରଭାବ ସୃଷ୍ଟିକାରୀ ସଂସ୍ଥା, ଏମ୍ଏସ୍‌ଏମ୍‌ଇ ଓ ସ୍ୱୟଂ ସହାୟକ ଗୋଷ୍ଠୀର ପ୍ରତିନିଧିମାନେ ଏଥିରେ ଅଂଶଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ ।

PUBLICATION NAME :	Inquilab
EDITION :	Delhi
DATE :	
PAGE :	

انڈیا انٹرنیشنل سینٹر میں 'میگا انٹرنیشنل سمٹ' کا انعقاد

نئی دہلی (اسٹاف رپورٹر) مائیکرو، اسمال اینڈ میڈیم انٹرپرائزز (ایم ایس ایم ای) وزارت اور انٹرپرائز ڈیولپمنٹ انسٹیٹیوٹ کے زیر اہتمام راجدھانی دہلی کے انڈیا انٹرنیشنل سینٹر میں 'میگا انٹرنیشنل سمٹ' کا اہتمام کیا گیا۔ اس دوروزہ میگا انٹرنیشنل سمٹ میں سنگاپور، پیرو کے مقررین اور ماہرین نے ایم ایس ایم ای کے سیکٹر میں ترقی و چیلنجوں اور ترقی کے مواقع پر تفصیل سے تبادلہ خیال کیا۔ اس موقع پر کانفرنس سے خطاب کرتے ہوئے مرکزی وزیر نرائن رائے نے ملک کی جی ڈی پی میں ایم ایس ایم ای کی اہمیت پر زور دیا۔ انہوں نے کہا کہ ایک طویل عرصے سے ایم ایس ایم ای کم سے کم وسائل کے ساتھ ملک کی تعمیر و ترقی میں اہم کردار ادا کر رہا ہے، یہی نہیں ایم ایس ایم ای اب بھی ملک کے جی ڈی پی میں نمایاں حصہ ڈال رہا ہے۔ اس لیے ضروری ہے کہ اسے مزید مضبوط کیا جائے۔ اس سمٹ میں تقریبی طور پر اس شعبے کو مضبوط بنانے کے لیے اہم اجتماعی کوششیں کی گئی ہیں۔ حکومت کی مختلف اسکیموں کو ایم ایس ایم ای کے لیے نئی راہیں کھولنے کی سمت دی گئی ہے۔ بھانوپرتاپ سنگھ ورمانے اپنے خطاب میں کہا کہ ہندوستانی انٹرپرائز ڈیولپمنٹ، اسٹارٹ اپس، اختراعات اور ایم ایس ایم ای پر اپنی توجہ کے ساتھ دلچسپ اقتصادی فیصلوں اور حکمت عملی کی وجہ سے آگے بڑھ رہا ہے۔



PUBLICATION NAME :	Hamara Samaj
EDITION :	Delhi
DATE :	30/3/2022
PAGE :	

ایم ایس ایم ای کی ترقیات کو مضبوط کرنا ضروری ہے: شری نارائن رائے

ایم ایس ایم ای کی وزارت اور ای ڈی آئی نے ایم ایس ایم ای کی مسابقت اور ترقی پر میگا انٹرنیشنل سمٹ کا اہتمام کیا



انہوں نے کہا کہ ایک طویل عرصے سے ایم ایس ایم ای کم سے کم وسائل کے ساتھ کام کر رہے ہیں اور اب بھی ملک کے جی ڈی پی میں نمایاں حصہ ڈال رہے ہیں۔ اس لیے اسے مزید مضبوط کرنا ضروری ہے۔ اس سمت میں یقینی طور پر اس شعبے کو مضبوط بنانے کے لیے اہم اجتماعی کوششیں کی گئی ہیں۔ حکومت کی مختلف اسکیموں کو ایم ایس ایم ای کے لیے نئی راہیں کھولنے کی سمت دی گئی ہے۔

کریں گے۔ سمٹ میں کاروباری شخصیات، ماہرین تعلیم، پالیسی ساز، صنعت کے رہنما، فکری رہنما، کاروباری حلقے، صنعتی انجمنیں بھی شرکت کریں گی۔ دنیا بھر سے اشارت ایس، سماجی اثرات کی تنظیمیں، ایم ایس ایم ای اور سیلف ہیلپ گروپس بھی حصہ لیں گے۔ کانفرنس سے خطاب کرتے ہوئے مسٹر رائے نے ملک کی جی ڈی پی میں ایم ایس ایم ای کی اہمیت پر زور دیا۔

نئی دہلی: مائیکرو، سمال اینڈ میڈیم انٹرپرائزز (ایم ایس ایم ای) اور انٹرپرائیزور شپ ڈیولپمنٹ انسٹیٹیوٹ آف انڈیا (ای ڈی آئی) نے ایم ایس ایم ای کے مرکزی وزیر نارائن رائے، بھانوپرتاپ سنگھ ورما، ریاستی وزیر کی موجودگی میں کیا گیا۔ ایم ایس ایم ای اور ترقی پر دو روزہ میگا سمٹ کا افتتاح کیا۔ دو روزہ سربراہی اجلاس میں ہندوستان، سنگاپور، پیرو کے مقررین اور ماہرین کی طرف سے ایم ایس ایم ای سیکٹر میں ترقی، چینجوں اور ترقی کے مواقع پر دماغی طوفان کے سیشن اور پینل بحثیں دیکھنے کو ملیں۔ لاؤ پی ڈی آر، روانڈا، میانمار، روس، ازبکستان، اسپین اور ایران سربراہی اجلاس میں اپنے تجربات شیئر

Business Standard

https://www.business-standard.com/article/news-cm/msmes-are-growth-accelerators-making-significant-contribution-to-gdp-union-minister-122032900901_1.html

MSMEs Are Growth Accelerators Making Significant Contribution To GDP: Union Minister

Capital Market Last Updated at March 29, 2022 16:16 IST

Union Minister for MSME Narayan Rane has said MSMEs are growth accelerators making a significant contribution to GDP and need to be strengthened. He emphasized upon the significance of MSMEs in the GDP of the country. He said for a long time now, MSMEs have been working amidst minimum resources and yet making a significant contribution to the GDP of the country. The Minister said it is, therefore, necessary that these growth accelerators are handheld and strengthened. He said in this direction there has definitely been significant collective efforts to strengthen the sector and various schemes of the government are directed towards opening up new avenues for MSMEs. He further said the Government has well ensured that the MSME sector receives an unhindered credit flow from financial institutions, technology support for development and modernization, access to export markets, infrastructure facility, training and capacity building facility and welfare of workforce.

<https://www.financialexpress.com/industry/sme/msme-exim-narayan-rane-msme-ministry-coming-out-with-global-market-intelligence-system-to-support-msme-exports/2475006/>

Narayan Rane: MSME Ministry coming out with Global Market Intelligence System to support MSME exports

Trade, import and export for MSMEs: “Our focus is towards providing easy credit, better technology support, and access to the export market. We want our MSMEs to become competitive and grow in the era of globalisation,” said MSME Minister Narayan Rane.

Written by [FE Online](#)

March 29, 2022 2:41:29 pm



The Global Market Intelligence System was part of one of the sub-components under the revised guidelines issued by the MSME Ministry for the International Cooperation Scheme in August last year.

Trade, import and export for MSMEs: MSME Minister Narayan Rane on Tuesday said the government is coming out with a Global Market

Intelligence System to support MSME exports. Speaking at a summit organised by the MSME Ministry and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) on MSMEs' competitiveness and growth, the minister called upon all the stakeholders of the MSME ecosystem to charting out a roadmap for strengthening the competitiveness of the sector.

“Our focus is towards providing easy credit, better technology support, and access to the export market. We want our MSMEs to become competitive and grow in the era of globalisation,” Rane said.

Importantly, the Global Market Intelligence System was part of one of the sub-components under the revised guidelines issued by the MSME Ministry for the International Cooperation Scheme in August last year. According to the guidelines, the system was proposed to act as a central knowledge repository of export-related data on foreign markets.

“It will provide simplified information on trade statistics, market access issues, and export potential indicators. It will further provide information on tenders and procurements globally and export orientation of MSMEs through the provision of specially designed Orientation Courses by specialised government institutions actively involved in the area of foreign trade,” the guidelines read.

The International Cooperation Scheme has been in operation since 1996 to facilitate Indian MSMEs for their participation in international exhibitions,

trade fairs, buyer-seller meet etc. The scheme provides financial assistance on a reimbursement basis to the state and central government organizations, industry associations, and others associated with the promotion of the MSME sector.

“Ministry of MSME has been revising several policies conducive to the growth of MSMEs...We also have backward linkages such as cluster development and forward linkages for the market as the MSME Minister mentioned about international cooperation (scheme) for capacity building of exporters and also for Global Market Intelligence System,” Mercy Epao, Joint Secretary – SME Division, MSME Ministry said at the summit.

<https://economictimes.indiatimes.com/small-biz/sme-sector/msme-ministry-to-set-up-global-market-intelligence-network-for-msme-exports/articleshow/90515088.cms?from=mdr>

Business News › Small Biz › SME › MSME Ministry to set up Global Market Intelligence Network for MSME exports

MSME Ministry to set up Global Market Intelligence Network for MSME exports

By Neha Dewan, ET Online • Last Updated: Mar 29, 2022, 03:37 PM IST

SHARE FONT SIZE SAVE PRINT COMMENT



Calling all stakeholders to chart out a roadmap to make the MSME sector a vibrant growth engine, Rane said that the sector can lead the growth once it becomes more competitive.

MSME Minister [Narayan Rane](#) on Tuesday said that the [MSME Ministry](#) will come up with a Global Market Intelligence Network to help [MSME exports](#).

“We all want that micro should grow to become small and small to medium.

Growth must be the only constant for

[MSMEs](#) and they should grow to

become champions,” the minister said while speaking at the Mega

International Summit on MSMEs' Competitiveness and Growth in the capital.

The event was co-organised by the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises and Entrepreneurship Development Institute of India ([EDII](#)). The two-day summit, which has speakers from different countries, will focus on opportunities, challenges and growth prospects for the MSME sector.

Rane said that the focus has been to provide easy credit, better technology, support and access to the export market. “We want our MSME sector to become competitive and grow. We live in the globalised era. Our foreign mission industry bodies and MSME research institutes can help such units in this direction,” he added.

Elaborating further on the significance of MSMEs, the minister said that the sector represents the growth engine of the economy. “It makes good contribution to the growth of the [GDP](#), employment and exports. It is key to rural industrialisation. Our government under the leadership of PM [Narendra Modi](#) is attaching great importance to MSME,” he stated.

Calling all stakeholders to chart out a roadmap to make the MSME sector a vibrant growth engine, Rane said that the sector can lead the growth once it becomes more competitive. “To achieve this aim, new research and innovation, new business ideas and workforce scale up will be needed,” he said.

Bhanu Pratap Singh Verma, Minister of State, MSME mentioned that India with its focus on entrepreneurship, innovations and MSMEs is well placed at a remarkable time on account of interesting economic decisions and strategies. “The growth in the MSME sector is palpable and is manifesting itself in many ways all across the country. The primary reason behind this is progressive changes in the public policy,” he stated.

Affirming his views, Sunil Shukla, Director General, EDII said that India is witnessing great changes now with MSMEs opening up to the digital world. “Access to tech, finance, product diversification, networking and sustained infrastructure remain some of the areas where entrepreneurs require hand holding, mentoring and grooming. The recent policies have targeted such areas and enabled growth of MSMEs not only in large cities but also semi urban areas,” he said.

MSMEs form a pivotal part of the Indian economy, contributing 48% to exports and 30% to the GDP. There has been no respite for the sector which has been reeling under the impact of the pandemic followed by high input costs that has severely affected their bottom lines.

सरकार एमएसएमई क्षेत्र से निर्यात को बढ़ावा देने को वैश्विक बाजार 'इंटेलिजेंस नेटवर्क' स्थापित करेगी

डिसक्लेमर: यह आर्टिकल एजेंसी फीड से ऑटो-अपलोड हुआ है। इसे नवभारतटाइम्स.कॉम की टीम ने एडिट नहीं किया है।

भाषा Updated: 29 Mar 2022, 4:31 pm

नयी दिल्ली, 29 मार्च (भाषा) केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से देश का निर्यात बढ़ाने के लिये वैश्विक बाजार आसूचना नेटवर्क (इंटेलिजेंस नेटवर्क) स्थापित कर रही है। वैश्विक बाजार 'आसूचना नेटवर्क' विदेशी बाजारों पर निर्यात से संबंधित आंकड़ों के मामले में ज्ञान के भंडार के रूप में कार्य करेगा और एमएसएमई निर्यातकों के लिये आसान बाजार पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा। एमएसएमई मंत्रालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्री राणे ने कहा कि सरकार एमएसएमई क्षेत्र

नयी दिल्ली, 29 मार्च (भाषा) केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से देश का निर्यात बढ़ाने के लिये वैश्विक बाजार आसूचना नेटवर्क (इंटेलिजेंस नेटवर्क) स्थापित कर रही है। वैश्विक बाजार 'आसूचना नेटवर्क' विदेशी बाजारों पर निर्यात से संबंधित आंकड़ों के मामले में ज्ञान के भंडार के रूप में कार्य करेगा और एमएसएमई निर्यातकों के लिये आसान बाजार पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा।

एमएसएमई मंत्रालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्री राणे ने कहा कि सरकार एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने को लेकर गंभीर है।

उन्होंने कहा, “हमारा ध्यान आसान ऋण, बेहतर प्रौद्योगिकी सहायता और निर्यात बाजारों तक पहुंच प्रदान करने पर है। हम चाहते हैं कि हमारा एमएसएमई क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बने और विकसित हो।”

राणे ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय एक वैश्विक बाजार ‘इंटेलिजेंस नेटवर्क’ स्थापित कर रहा है जो एमएसएमई निर्यात में मदद करेगा।

एक अनुमान के अनुसार, देश का एमएसएमई क्षेत्र निर्यात में 45 प्रतिशत योगदान करता है। इस खंड से निर्यात बढ़ाने की काफी संभावना है।

हालांकि, व्यापार से संबंधित भरोसेमंद आंकड़ों की कमी प्रमुख बाधा है। इससे एमएसएमई क्षेत्र नये बाजार में अवसरों का उपयोग कर वास्तविक निर्यात क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा।

मंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से एमएसएमई क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक गतिशील विकास इंजन बनाने को लेकर रूपरेखा तैयार करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि एमएसएमई को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिये अधिक शोध और नवोन्मेष तथा नये व्यावसायिक विचारों की जरूरत है।

मंत्री ने कहा कि ईडीआईआई जैसे संस्थान एमएसएमई को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद कर सकते हैं।

राणे ने एमएसएमई को भारत की अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बताया और देश की जीडीपी वृद्धि और रोजगार में इस क्षेत्र के योगदान का जिक्र किया।

उन्होंने कहा, “यह (एमएसएमई क्षेत्र) ग्रामीण औद्योगिकीकरण के लिहाज से महत्वपूर्ण है...।”



<https://www.livehindustan.com/ncr/new-delhi/story-business-msmes-become-a-competitive-and-developed-sector-6135037.html>

बिजनेस-- एमएसएमई प्रतिस्पर्धी और विकसित क्षेत्र बने

दो या तीन कॉलम नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को



हिन्दुस्तान टीम, नई दिल्ली Newsrap

Tue, 29 Mar 2022 05:40 PM

दो या तीन कॉलम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से देश का निर्यात बढ़ाने के लिए वैश्विक बाजार आसूचना नेटवर्क (इंटेलिजेंस नेटवर्क) स्थापित कर रही है। वैश्विक बाजार 'आसूचना नेटवर्क' विदेशी बाजारों पर निर्यात से संबंधित आंकड़ों के मामले में ज्ञान के भंडार के रूप में कार्य करेगा और एमएसएमई निर्यातकों के लिये आसान बाजार पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा।

एमएसएमई मंत्रालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्री राणे ने कहा कि सरकार एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान आसान ऋण, बेहतर प्रौद्योगिकी सहायता और निर्यात बाजारों तक पहुंच प्रदान करने पर है। हम चाहते हैं कि हमारा एमएसएमई क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बने और विकसित हो। राणे ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय एक वैश्विक बाजार 'इंटेलिजेंस नेटवर्क' स्थापित कर रहा है जो एमएसएमई निर्यात में मदद करेगा। एक अनुमान के अनुसार, देश का एमएसएमई क्षेत्र निर्यात में 45 प्रतिशत योगदान करता है। इस खंड से निर्यात बढ़ाने की काफी संभावना है। हालांकि, व्यापार से संबंधित भरोसेमंद आंकड़ों की कमी प्रमुख बाधा है। इससे एमएसएमई क्षेत्र नए बाजार में अवसरों का उपयोग कर वास्तविक निर्यात क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा।

मंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से एमएसएमई क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक गतिशील विकास इंजन बनाने को लेकर रूपरेखा तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एमएसएमई को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए अधिक शोध और नवोन्मेष तथा नए व्यावसायिक विचारों की जरूरत है। मंत्री ने कहा कि ईडीआईआई जैसे संस्थान एमएसएमई को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद कर सकते हैं। राणे ने एमएसएमई को भारत की अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बताया और देश की जीडीपी वृद्धि और रोजगार में इस क्षेत्र के योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र ग्रामीण औद्योगिकीकरण के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

जरूरी जानकारी | सरकार एमएसएमई क्षेत्र से निर्यात को बढ़ावा देने को वैश्विक बाजार 'इंटेलिजेंस नेटवर्क' स्थापित करेगी

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से देश का निर्यात बढ़ाने के लिये वैश्विक बाजार आसूचना नेटवर्क (इंटेलिजेंस नेटवर्क) स्थापित कर रही है।

नयी दिल्ली, 29 मार्च केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से देश का निर्यात बढ़ाने के लिये वैश्विक बाजार आसूचना नेटवर्क (इंटेलिजेंस नेटवर्क) स्थापित कर रही है।

वैश्विक बाजार 'आसूचना नेटवर्क' विदेशी बाजारों पर निर्यात से संबंधित आंकड़ों के मामले में ज्ञान के भंडार के रूप में कार्य करेगा और एमएसएमई निर्यातकों के लिये आसान बाजार पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा।

एमएसएमई मंत्रालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्री राणे ने कहा कि सरकार एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने को लेकर गंभीर है।

उन्होंने कहा, "हमारा ध्यान आसान ऋण, बेहतर प्रौद्योगिकी सहायता और निर्यात बाजारों तक पहुंच प्रदान करने पर है। हम चाहते हैं कि हमारा एमएसएमई क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बने और विकसित हो।"

राणे ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय एक वैश्विक बाजार 'इंटेलिजेंस नेटवर्क' स्थापित कर रहा है जो एमएसएमई निर्यात में मदद करेगा।

एक अनुमान के अनुसार, देश का एमएसएमई क्षेत्र निर्यात में 45 प्रतिशत योगदान करता है। इस खंड से निर्यात बढ़ाने की काफी संभावना है।

हालांकि, व्यापार से संबंधित भरोसेमंद आंकड़ों की कमी प्रमुख बाधा है। इससे एमएसएमई क्षेत्र नये बाजार में अवसरों का उपयोग कर वास्तविक निर्यात क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा।

मंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से एमएसएमई क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक गतिशील विकास इंजन बनाने को लेकर रूपरेखा तैयार करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि एमएसएमई को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिये अधिक शोध और नवोन्मेष तथा नये व्यावसायिक विचारों की जरूरत है।

मंत्री ने कहा कि ईडीआईआई जैसे संस्थान एमएसएमई को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद कर सकते हैं।

राणे ने एमएसएमई को भारत की अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बताया और देश की जीडीपी वृद्धि और रोजगार में इस क्षेत्र के योगदान का जिक्र किया।

उन्होंने कहा, “यह (एमएसएमई क्षेत्र) ग्रामीण औद्योगिकीकरण के लिहाज से महत्वपूर्ण है...।”

BUSINESS NEWS HINDI

(बिज़नेस)

सरकार एमएसएमई क्षेत्र से निर्यात को बढ़ावा देने को वैश्विक बाजार 'इंटेलिजेंस नेटवर्क' स्थापित करेगी

Edited By PTI News Agency, Updated: 29 Mar, 2022 04:27 PM



अपना शहर चुने



जालंधर में किरण बुक डिपू का मालिक गिरफ्तार, इन आरोपों को लेकर केस दर्ज



जालंधर-नई दिल्ली नेशनल हाइवे पर बड़ा हादसा, देखते ही देखते फ्लाइओवर पर...



सुखजिंदर रंधावा ने श्री अकाल तख्त साहिब के जल्येदार को लिखा पत्र, की...



भयानक सड़क हादसा: तेज रफ्तार ट्रक ने युवकों को रौंदा, 1 की मौत, 2 घायल



पीड़ित परिवार ने लगाया धरना,

SUBSCRIBE NOW!

नयी दिल्ली, 29 मार्च (भाषा) केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से देश का निर्यात बढ़ाने के लिये वैश्विक बाजार आसूचना नेटवर्क (इंटेलिजेंस नेटवर्क) स्थापित कर रही है।

वैश्विक बाजार 'आसूचना नेटवर्क' विदेशी बाजारों पर निर्यात से संबंधित आंकड़ों के मामले में ज्ञान के भंडार के रूप में कार्य करेगा और एमएसएमई निर्यातकों के लिये आसान बाजार पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा।

एमएसएमई मंत्रालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्री राणे ने कहा कि सरकार एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने को लेकर गंभीर है।

उन्होंने कहा, "हमारा ध्यान आसान ऋण, बेहतर प्रौद्योगिकी सहायता और निर्यात बाजारों तक पहुंच प्रदान करने पर है। हम चाहते हैं कि हमारा एमएसएमई क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बने और विकसित हो।" राणे ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय एक वैश्विक बाजार 'इंटेलिजेंस नेटवर्क' स्थापित कर रहा है जो एमएसएमई निर्यात में मदद करेगा।

एक अनुमान के अनुसार, देश का एमएसएमई क्षेत्र निर्यात में 45 प्रतिशत योगदान करता है। इस खंड से निर्यात बढ़ाने की काफी संभावना है।



सदन में पेश किया गया 21 हजार 116 करोड़ का लेखानुदान, जानिए क्या-क्या हुआ 2 दिन



सदन में पेश किया गया 21 हजार 116 करोड़ का...
PunjabKesari TV



जमीन विवाद में भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष...
PunjabKesari TV

DAILY HOROSCOPE

SUBSCRIBE NOW!

हालांकि, व्यापार से संबंधित भरोसेमंद आंकड़ों की कमी प्रमुख बाधा है। इससे एमएसएमई क्षेत्र नये बाजार में अवसरों का उपयोग कर वास्तविक निर्यात क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा।

मंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से एमएसएमई क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक गतिशील विकास इंजन बनाने को लेकर रूपरेखा तैयार करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि एमएसएमई को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिये अधिक शोध और नवोन्मेष तथा नये व्यावसायिक विचारों की जरूरत है।

मंत्री ने कहा कि ईडीआईआई जैसे संस्थान एमएसएमई को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद कर सकते हैं।

राणे ने एमएसएमई को भारत की अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बताया और देश की जीडीपी वृद्धि और रोजगार में इस क्षेत्र के योगदान का जिक्र किया।

उन्होंने कहा, “यह (एमएसएमई क्षेत्र) ग्रामीण औद्योगिकीकरण के लिहाज से महत्वपूर्ण है...!”

यह आर्टिकल पंजाब केसरी टीम द्वारा संपादित नहीं है, इसे एजेंसी फीड से ऑटो-अपलोड किया गया है।



Aries (मेष)

मेष राशि वालों आज का दिन बढ़िया रहेगा। कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है।.....[Read more](#)



सरकार एमएसएमई क्षेत्र से निर्यात को बढ़ावा देने को वैश्विक बाजार 'इंटेलिजेंस नेटवर्क' स्थापित करेगी



नयी दिल्ली: केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से देश का निर्यात बढ़ाने के लिये वैश्विक बाजार आसूचना नेटवर्क (इंटेलिजेंस नेटवर्क) स्थापित कर रही है।

वैश्विक बाजार 'आसूचना नेटवर्क' विदेशी बाजारों पर निर्यात से संबंधित आंकड़ों के मामले में ज्ञान के भंडार के रूप में कार्य करेगा और एमएसएमई निर्यातकों के लिये आसान बाजार पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा।

एमएसएमई मंत्रालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्री राणे ने कहा कि सरकार एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने को लेकर गंभीर है।

उन्होंने कहा, “हमारा ध्यान आसान ऋण, बेहतर प्रौद्योगिकी सहायता और निर्यात बाजारों तक पहुंच प्रदान करने पर है। हम चाहते हैं कि हमारा एमएसएमई क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बने और विकसित हो।” राणे ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय एक वैश्विक बाजार ‘इंटेलिजेंस नेटवर्क’ स्थापित कर रहा है जो एमएसएमई निर्यात में मदद करेगा।

एक अनुमान के अनुसार, देश का एमएसएमई क्षेत्र निर्यात में 45 प्रतिशत योगदान करता है। इस खंड से निर्यात बढ़ाने की काफी संभावना है।

हालांकि, व्यापार से संबंधित भरोसेमंद आंकड़ों की कमी प्रमुख बाधा है। इससे एमएसएमई क्षेत्र नये बाजार में अवसरों का उपयोग कर वास्तविक निर्यात क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा।

मंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से एमएसएमई क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक गतिशील विकास इंजन बनाने को लेकर रूपरेखा तैयार करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि एमएसएमई को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिये अधिक शोध और नवोन्मेष तथा नये व्यावसायिक विचारों की जरूरत है।

मंत्री ने कहा कि ईडीआईआई जैसे संस्थान एमएसएमई को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद कर सकते हैं।

राणे ने एमएसएमई को भारत की अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बताया और देश की जीडीपी वृद्धि और रोजगार में इस क्षेत्र के योगदान का जिक्र किया।

उन्होंने कहा, “यह (एमएसएमई क्षेत्र) ग्रामीण औद्योगिकीकरण के लिहाज से महत्वपूर्ण है...।”

<https://www.uniindia.com/story/MSME-Ministry-to-provide-market-intelligence-for-exports-Rane>

MSME Ministry to provide market intelligence for exports: Rane

📅 March 29, 2022, 3:24 pm

New Delhi, March 29 (UNI) The government will come up with global market intelligence network to help MSME firms corner bigger share of the export pie, Union Minister for MSME Narayan Rane said here on Tuesday. Speaking at a seminar organised Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), he said that the focus of the government is to help micro firms to grow to become small and small firms to become medium. The Minister noted that the government has come out with package to revive MSME sector. "Our focus is on providing easy credit, better technology, support and access to the export market. We want our MSME sector to become competitive and grow in the era of globalisation," he said. Rane asked all the stakeholders in the MSME space to chart out a roadmap for strengthening the competitiveness of the sector. Rane emphasised on the significance of MSMEs in the GDP of the country. He said that for a long time MSMEs have been working with minimum resources and yet making a significant contribution to the GDP. "It is, therefore, necessary that these growth accelerators are handheld and strengthened. In this direction, there has definitely been significant collective efforts to strengthen the sector. Various schemes of the government are directed towards opening up new avenues for MSMEs," he said.

UNI NK



<https://www.dailypioneer.com/2022/india/rane-stresses-need-to-strengthen-msmes.html>

Rane stresses need to strengthen MSMEs

Wednesday, 30 March 2022 | PNS | New Delhi

Union Minister for Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) Narayan Rane on Tuesday termed the MSMEs as growth accelerators making a significant contribution to the GDP and stressed the need to strengthen them.

Rane said, for a long time now, MSMEs have been working amidst minimum resources and yet making a significant contribution to the GDP of the country. "It is, therefore, necessary that these growth accelerators are handheld and strengthened. In this direction, there have definitely been significant collective efforts to strengthen the sector. Various schemes of the government are directed towards opening up new avenues for MSMEs," he said.

He was speaking at the inauguration of the two-day mega summit on MSME competitiveness and growth being organized by the MSME and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) in the presence of MoS Bhanu Pratap Singh Verma.

He further said the Government has well ensured that the MSME sector receives an unhindered credit flow from financial institutions, technology support for development and modernization, access to export markets, infrastructure facility, training and capacity building facility and welfare of workforce.

The two-day summit will witness brainstorming sessions and panel discussions on the enhancements, challenges and growth opportunities in the MSME sector and speakers and experts from India, Singapore, Peru, Lao PDR, Rwanda, Myanmar, Russia, Uzbekistan, Spain and Iran, will share their experiences at the summit.

The summit is also going to be attended by entrepreneurs, academicians, policymakers, industry leaders, thought leaders, business chambers, industry associations, startups, social impact organizations, MSMEs and self-help groups from across the world.

Speaking on the occasion, Bhanu Pratap Singh Verma, said, "India, with its focus on entrepreneurship, start-ups, innovations and MSMEs, is well placed at a remarkable time on account of interesting economic decisions and strategies."

सरकार एमएसएमई क्षेत्र से निर्यात को बढ़ावा देने को वैश्विक बाजार 'इंटेलिजेंस नेटवर्क' स्थापित करेगी

भाषा

29 March, 2022 04:30 pm IST

Text Size: A- A+

नयी दिल्ली, 29 मार्च (भाषा) केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से देश का निर्यात बढ़ाने के लिये वैश्विक बाजार आसूचना नेटवर्क (इंटेलिजेंस नेटवर्क) स्थापित कर रही है।

वैश्विक बाजार 'आसूचना नेटवर्क' विदेशी बाजारों पर निर्यात से संबंधित आंकड़ों के मामले में ज्ञान के भंडार के रूप में कार्य करेगा और एमएसएमई निर्यातकों के लिये आसान बाजार पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा।

एमएसएमई मंत्रालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्री राणे ने कहा कि सरकार एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने को लेकर गंभीर है।

उन्होंने कहा, "हमारा ध्यान आसान ऋण, बेहतर प्रौद्योगिकी सहायता और निर्यात बाजारों तक पहुंच प्रदान करने पर है। हम चाहते हैं कि हमारा एमएसएमई क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बने और विकसित हो।"

राणे ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय एक वैश्विक बाजार 'इंटेलिजेंस नेटवर्क' स्थापित कर रहा है जो एमएसएमई निर्यात में मदद करेगा।

एक अनुमान के अनुसार, देश का एमएसएमई क्षेत्र निर्यात में 45 प्रतिशत योगदान करता है। इस खंड से निर्यात बढ़ाने की काफी संभावना है।

हालांकि, व्यापार से संबंधित भरोसेमंद आंकड़ों की कमी प्रमुख बाधा है। इससे एमएसएमई क्षेत्र नये बाजार में अवसरों का उपयोग कर वास्तविक निर्यात क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा।

मंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से एमएसएमई क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक गतिशील विकास इंजन बनाने को लेकर रूपरेखा तैयार करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि एमएसएमई को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिये अधिक शोध और नवोन्मेष तथा नये व्यावसायिक विचारों की जरूरत है।

मंत्री ने कहा कि ईडीआईआई जैसे संस्थान एमएसएमई को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद कर सकते हैं।

राणे ने एमएसएमई को भारत की अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बताया और देश की जीडीपी वृद्धि और रोजगार में इस क्षेत्र के योगदान का जिक्र किया।

उन्होंने कहा, "यह (एमएसएमई क्षेत्र) ग्रामीण औद्योगिकीकरण के लिहाज से महत्वपूर्ण है...।"

इकनॉमिक टाइम्स

<https://economictimes.indiatimes.com/hindi/business-news/government-to-set-up-global-market-intelligence-network-to-promote-exports-from-msme-sector/articleshow/90518163.cms>

सरकार एमएसएमई क्षेत्र से निर्यात को बढ़ावा देने को वैश्विक बाजार 'इंटेलिजेंस नेटवर्क' स्थापित करेगी

डिसक्लेमर: यह आर्टिकल एजेंसी फीड से ऑटो-अपलोड हुआ है। इसे नवभारतटाइम्स.कॉम की टीम ने एडिट नहीं किया है।

भाषा Updated: 29 Mar 2022, 4:31 pm

नयी दिल्ली, 29 मार्च (भाषा) केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से देश का निर्यात बढ़ाने के लिये वैश्विक बाजार आसूचना नेटवर्क (इंटेलिजेंस नेटवर्क) स्थापित कर रही है। वैश्विक बाजार 'आसूचना नेटवर्क' विदेशी बाजारों पर निर्यात से संबंधित आंकड़ों के मामले में ज्ञान के भंडार के रूप में कार्य करेगा और एमएसएमई निर्यातकों के लिये आसान बाजार पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा। एमएसएमई मंत्रालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्री राणे ने कहा कि सरकार एमएसएमई क्षेत्र

नयी दिल्ली, 29 मार्च (भाषा) केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से देश का निर्यात बढ़ाने के लिये वैश्विक बाजार आसूचना नेटवर्क (इंटेलिजेंस नेटवर्क) स्थापित कर रही है।

वैश्विक बाजार 'आसूचना नेटवर्क' विदेशी बाजारों पर निर्यात से संबंधित आंकड़ों के मामले में ज्ञान के भंडार के रूप में कार्य करेगा और एमएसएमई निर्यातकों के लिये आसान बाजार पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा।

एमएसएमई मंत्रालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्री राणे ने कहा कि सरकार एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने को लेकर गंभीर है।

उन्होंने कहा, “हमारा ध्यान आसान ऋण, बेहतर प्रौद्योगिकी सहायता और निर्यात बाजारों तक पहुंच प्रदान करने पर है। हम चाहते हैं कि हमारा एमएसएमई क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बने और विकसित हो।”

राणे ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय एक वैश्विक बाजार ‘इंटेलिजेंस नेटवर्क’ स्थापित कर रहा है जो एमएसएमई निर्यात में मदद करेगा।

एक अनुमान के अनुसार, देश का एमएसएमई क्षेत्र निर्यात में 45 प्रतिशत योगदान करता है। इस खंड से निर्यात बढ़ाने की काफी संभावना है।

हालांकि, व्यापार से संबंधित भरोसेमंद आंकड़ों की कमी प्रमुख बाधा है। इससे एमएसएमई क्षेत्र नये बाजार में अवसरों का उपयोग कर वास्तविक निर्यात क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा।

मंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से एमएसएमई क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक गतिशील विकास इंजन बनाने को लेकर रूपरेखा तैयार करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि एमएसएमई को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिये अधिक शोध और नवोन्मेष तथा नये व्यावसायिक विचारों की जरूरत है।

मंत्री ने कहा कि ईडीआईआई जैसे संस्थान एमएसएमई को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद कर सकते हैं।

राणे ने एमएसएमई को भारत की अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बताया और देश की जीडीपी वृद्धि और रोजगार में इस क्षेत्र के योगदान का जिक्र किया।

उन्होंने कहा, “यह (एमएसएमई क्षेत्र) ग्रामीण औद्योगिकीकरण के लिहाज से महत्वपूर्ण है...।”



<https://www.ibef.org/news/msme-ministry-to-set-up-global-market-intelligence-network-for-msme-exports>

MSME Ministry to set up Global Market Intelligence Network for MSME exports

- March 30, 2022

Minister of MSME Mr. Narayan Rane announced at the Mega International Summit on MSMEs' Competitiveness and Growth in the capital that the Ministry of MSME will create a Global Market Intelligence Network to aid MSME exports. The focus has been on providing easier loans, better technology, support, and export market access. The Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises and the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) collaborated on the event. The two-day summit, which will feature speakers from several countries, will focus on the MSME sector's possibilities, problems, and growth prospects.

MSMEs are an important sector of the Indian economy, accounting for 48% of exports and 30% of GDP. It's essential for rural industrialization. It can drive growth once it becomes more competitive. India, with its concentration on entrepreneurship, innovation, and MSMEs, is in a unique position due to innovative economic decisions and tactics. New research and innovation, new business ideas, and workforce scale-up will be required. Technology, financing, product diversification, networking, and long-term infrastructure are just a few of the areas where entrepreneurs require guidance, mentoring, and grooming. Recent policies have targeted such locations, allowing MSMEs to flourish not only in large cities but also in semi-urban areas.

Edules

<https://www.edules.com/2022/03/29/governments-new-step-to-advance-the-msme-sector-will-set-up-a-global-intelligence-network/>

Government's new step to advance the MSME sector, will set up a global 'Intelligence Network'

MSME Sector: Union Minister Narayan Rane said that the government is setting up a Global Intelligence Network to increase the country's exports from the MSME sector. The Global Market 'Intelligence Network' will act as a repository of knowledge in terms of export related data on overseas markets and facilitate easy market access for MSME exporters.

Focus will be on MSME sector

In the summit organized by the Ministry of MSME and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Minister for Micro, Small and Medium Enterprises Rane said that the government is serious about strengthening the MSME sector.

Establishing Intelligence Network

"Our focus is on providing easy loans, better technology support and access to export markets. We want our MSME sector to become competitive and grow." Rane said that the MSME Ministry is setting up a global market 'Intelligence Network' which will help MSME exports.

Contributes 45 percent to exports

According to an estimate, the MSME sector of the country contributes 45 percent to the exports. There is a lot of potential to increase exports from this segment. However, lack of reliable data related to trade is the major hurdle. Due to this the MSME sector is not able to utilize the real export potential by utilizing the opportunities in the new market.

ready-made framework for building development engine

The Minister called upon all concerned to prepare a roadmap to make the MSME sector a dynamic growth engine for the country's economy. He said that more research and innovation and new business ideas are needed to make MSMEs competitive.

The Minister said that institutions like EDII can help in taking MSMEs to new heights. Rane described MSMEs as the growth engine of India's economy and mentioned the sector's contribution to the country's GDP growth and employment. "It is important from the point of view of rural industrialization..."

MSME विकास को बढ़ावा देने वाले सेक्टरों में शामिल हैं जो जीडीपी में योगदान देते हैं: नारायण राणे

By [रविकांत पारीक](#)

March 30, 2022



सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII) द्वारा MSME प्रतिस्पर्धात्मकता तथा विकास पर आयोजित दो दिवसीय मेगा सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय MSME मंत्री नारायण राणे ने देश की जीडीपी में MSME के महत्व पर बल दिया।

केंद्रीय MSME मंत्री नारायण राणे ने कहा है कि MSME विकास को बढ़ावा देने वाले सेक्टरों में शामिल हैं जो जीडीपी में उल्लेखनीय योगदान देते हैं तथा उन्हें सुदृढ़ बनाये जाने की आवश्यकता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII) द्वारा MSME प्रतिस्पर्धात्मकता तथा विकास पर आयोजित दो दिवसीय मेगा सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने देश की जीडीपी में MSME के महत्व पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि अब लंबे समय से, MSME न्यूनतम संसाधनों के बीच काम करते रहे हैं और फिर भी देश के जीडीपी में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। राणे ने कहा कि इसलिए यह आवश्यक है कि विकास को बढ़ावा देने वालों की प्राथमिक सहायता की जाए तथा उन्हें सुदृढ़ बनाया जाए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सेक्टर को सुदृढ़ बनाने के लिए उल्लेखनीय सामूहिक प्रयास किए गए हैं और सरकार की विभिन्न योजनाओं की दिशा MSME के लिए नए अवसरों को खोलने के बारे में निर्देशित रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने पूरी तरह यह सुनिश्चित किया है कि MSME सेक्टर को वित्तीय संस्थानों से निर्बाधित ऋण प्रवाह प्राप्त हो, विकास तथा आधुनिकीकरण के लिए प्रौद्योगिकी की सहायता मिलती रहे, निर्यात बाजारों, बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण की सुविधा और श्रमिकों के कल्याण की सुविधा निरंतर प्राप्त होती रहे।



केंद्रीय MSME मंत्री नारायण तातू राणे 29 मार्च, 2022 को नई दिल्ली में MSME की प्रतिस्पर्धात्मकता और विकास पर आयोजित मेगा इंटरनेशनल समिट 2022 के उद्घाटन अवसर पर प्रकाशन का विमोचन करते हुए। साथ में MSME राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा और अन्य गणमान्य लोग भी हैं।

केंद्रीय MSME राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने कहा कि उद्यमिता, स्टार्टअप्स, नवोन्मेषणों तथा MSME पर अपने फोकस के साथ भारत दिलचस्प आर्थिक निर्णयों तथा रणनीतियों के कारण उल्लेखनीय समय पर पूरी तरह से मजबूती के साथ स्थित है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट आर्थिक वृद्धि विशेष रूप से महामारी की सबसे गंभीर लहर के बाद MSME विकास तथा पुनरोत्थान का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह मानना और घोषणा करना सही होगा कि MSME सेक्टर में विकास स्पष्ट है और यह देश भर में कई

प्रकार से खुद को परिलक्षित कर रहा है तथा उनके विचार से इसके पीछे का प्राथमिक कारण सार्वजनिक नीति में प्रगतिशील परिवर्तन हैं।

इस अवसर पर भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII) के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा कि EDII क्लस्टर विकास, प्रशिक्षण, और क्षमता निर्माण, अनुसंधान एवं नीतिगत पक्षधरता के तहत कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों तथा परियोजनाओं पर MSME मंत्रालय के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि हम सावधानीपूर्वक तैयार की गई रणनीतियों के साथ MSME क्षेत्र को और अधिक मापनीयता तथा विस्तारशीलता प्रदान करने की उम्मीद करते हैं।

दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में MSME सेक्टर में वृद्धि, चुनौतियों तथा विकास अवसरों पर चिंतन बैठक सत्र आयोजित किए जाएंगे तथा पैनल चर्चाएं होंगी और भारत, सिंगापुर, पेरु, लाओ पीडीआर, रवांडा, म्यांमार, रूस, उज्बेकिस्तान, स्पेन तथा ईरान के विशेषज्ञ सम्मेलन के दौरान अपने अनुभव साझा करेंगे। शिखर सम्मेलन में विश्व भर के उद्यमी, शिक्षाविद, नीति निर्माता, उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्ति, विचारक, व्यापार मंडल, उद्योग संघ, स्टार्टअप्स, सामाजिक प्रभाव संगठन, MSME तथा स्वयं सहायता समूहों के भाग लेने की उम्मीद है।

सम्मेलन के दौरान, विशेषज्ञ, कोविड-19 महामारी के बीच MSME सेक्टर में चुनौतियां तथा अवसर, MSME विकास इंक्यूबेशन/तीव्रता, MSME प्रतिस्पर्धा में अनुकूल नीतियों की भूमिका तथा गैर वित्तीय व्यवसाय विकास सेवाएं और किस प्रकार MSME स्थिरता अर्जित करने के लिए परिसंघ के रूप में काम कर सकते हैं, जैसे विषयों पर विचार विमर्श करेंगे। 'MSME सेक्टर विकास के आलोक में लोग, ग्रह तथा लाभ' विषय पर एक विशेष पैनल चर्चा का आयोजन किया गया है। MSME की प्रतिस्पर्धात्मकता, भारतीय MSME के अंतरराष्ट्रीयकरण, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेषण, MSME का डिजिटल रूपांतरण, MSME सेक्टर में उद्यमिता परितंत्र तथा उभरते अवसर और जेंडर तथा वंचित समुदायों की उद्यमिता के इर्द गिर्द भी चर्चाएं होंगी।

The Statesman

<https://www.thestatesman.com/business/msmes-growth-accelerators-necessary-strengthen-narayan-rane-1503055823.html>

MSMEs are growth accelerators; necessary to strengthen them: Narayan Rane

A special panel discussion has been lined up on 'People, planet, and profit in the light of MSME sector development'.

Statesman News Service | New Delhi | March 30, 2022 12:30 pm



Photo: File photo

Union Minister for Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) Narayan Rane, inaugurated a two-day mega summit on MSME competitiveness and growth being organised by the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) in New Delhi today.

The two-day summit witness sessions and panel discussions on the enhancements, challenges and growth opportunities in the MSME sector and speakers and experts from India, Singapore, Peru, Lao PDR, Rwanda, Myanmar, Russia, Uzbekistan, Spain and Iran, will share their experiences at the summit.

The summit was also attended by entrepreneurs, academicians, policymakers, industry leaders, thought leaders, business chambers, industry associations, startups, social impact organizations, MSMEs and self-help groups from across the world.

Rane emphasised the significance of MSMEs in the GDP of the country. He said, “For a long time now, MSMEs have been working amidst minimum resources and yet making a significant contribution to the GDP of the country. It is, therefore, necessary that these growth accelerators are handheld and strengthened. In this direction, there has definitely been significant collective efforts to strengthen the sector. Various schemes of the government are directed towards opening up new avenues for MSMEs.” He further said, “The Government has well ensured that the MSME sector receives an unhindered credit flow from financial institutions, technology support for development and modernization, access to export

markets, infrastructure facility, training and capacity building facility and welfare of the workforce.

On the occasion, Minister of State (MoS), MSME Bhanu Pratap Singh Verma said, “India, with its focus on entrepreneurship, start-ups, innovations and MSMEs, is well placed at a remarkable time on account of interesting economic decisions and strategies. The discernible economic growth is a testimony to MSME development and revival, especially post the most serious wave of the pandemic. I think I would be right in assuming, and announcing, that growth in the MSME sector is palpable, and is manifesting itself in many ways all across the country. The primary reason behind this, as I see, is progressive changes in the public policy.”

Dr Sunil Shukla, Director General, Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) said, “EDII has been closely associated with the Ministry of MSME on several important programmes and projects under cluster development, training and capacity building, research and policy advocacy. We look forward to imparting yet more scalability and extensibility to the MSME sector with carefully curated strategies.”

During the summit, experts deliberated on subjects such as challenges and opportunities in the MSME sector amidst the Covid-19 pandemic, incubation/acceleration in MSME growth, the role of conducive policies and non-financial business development services in MSME competitiveness, and how MSMEs can work in consortia to achieve sustainability.

A special panel discussion has been lined up on ‘People, planet, and profit in the light of MSME sector development’. Discussions will also revolve around MSMEs’ competitiveness, internationalization of Indian MSMEs, technology and innovation, digital transformation of MSMEs, entrepreneurship ecosystem and emerging opportunities in the MSME sector, and gender and disadvantaged communities’ entrepreneurship.



<http://www.univarta.com/government-is-making-collective-efforts-to-strengthen-micro-small-and-medium-units-rane/Business/news/2692099.html>

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाइयों को मजबूत करने के लिए सामूहिक प्रयास कर रही है सरकार: राणे



नयी दिल्ली 29 मार्च (वार्ता) केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को कहा कि इस क्षेत्र की इकाइयां देश की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार की गति बढ़ाने की एजेंट हैं और उन्हें अंगुली का सहारा देने तथा मजबूत करना बहुत जरूरी है।

श्री राणे ने कहा कि लंबे समय तक भारत में एमएसएमई क्षेत्र को सीमित संसाधनों के साथ जीना पड़ा, पर इस क्षेत्र ने देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान किया है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार एमएसएमई इकाइयों

के महत्व को देखते हुए उन्हें मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर सामूहिक प्रयास कर रही है। श्री राणे राष्ट्रीय राजधानी में भारत के एमएसएमई क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ाने के विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन कर रहे थे। इसका आयोजन अहमदाबाद के संगठन एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) ने एमएसएमई मंत्रालय के सहयोग से किया है। उद्घाटन सत्र को एमएसएमई मंत्रालय में राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने भी संबोधित किया।



<https://www.devdiscourse.com/article/business/1981508-govt-to-come-out-with-global-market-intelligence-network-to-boost-msme-exports-rane>

Govt to come out with global market intelligence network to boost MSME exports: Rane

There is a huge untapped potential to boost outward shipments from the segment. However, lack of credible trade-related data on overseas markets has been one of the key bottlenecks impeding the MSME sector from realising its true export potential by tapping new market opportunities. Addressing a summit organised by the Entrepreneurship Development Institute of India EDII, Rane said the government is keen to strengthen the MSME sector. Our focus is on providing easy credit, better technology support and access to the export markets.

[PTI](#) | New Delhi | Updated: 29-03-2022 15:00 IST | Created: 29-03-2022 15:00 IST



The government is setting up a global market intelligence network to boost India's exports from the micro, small and medium enterprises sector, Union minister Narayan [Rane](#) said on Tuesday.

The Global Market Intelligence Network will act as a knowledge repository of export-related data on foreign markets and facilitate easier market access for [MSME](#) exporters.

According to estimates, India's [MSME](#) sector accounts for 45 per cent of its exports. There is a huge untapped potential to boost outward shipments from the segment.

However, lack of credible trade-related data on overseas markets has been one of the key bottlenecks impeding the [MSME](#) sector from realising its true export potential by tapping new market opportunities.

Addressing a summit organised by the [Entrepreneurship Development Institute of India](#) (EDII), [Rane](#) said the government is keen to strengthen the [MSME](#) sector.

"Our focus is on providing easy credit, better technology support and access to the export markets. We want our [MSME](#) sector to become competitive and grow," the [MSME](#) minister said.

He shared that the [MSME](#) ministry "is coming out with a global market intelligence network that will help [MSME](#) exports".

The minister called upon all stakeholders to carve out a [roadmap](#) to make the [MSME](#) sector a vibrant growth engine for the country's economy.

To make MSMEs competitive, he said, there was a need for more research and innovation and coming out with new business ideas. The minister added that institutes like [EDII](#) can help the MSMEs scale up to new heights.

Describing MSMEs as the growth engine of India's economy, [Rane](#) highlighted the sector's contribution to the country's GDP growth and employment.

"It (MSME sector) is the key to rural industrialization. Our government under the leadership of Prime Minister [Narendra Modi](#) attaches great importance to MSMEs," he said.

According to the [Global Entrepreneurship Monitor India](#) survey 2021-22 which was anchored by [EDII](#), India's entrepreneurial activity expanded in 2021 with its [Total Entrepreneurial Rate](#) amidst percentage of adults starting or running a new enterprise increasing to 14.4 per cent in 2021 compared to 5.3 per cent in 2020.

<https://www.devdiscourse.com/article/business/1981708-narayan-rane-emphasizes-upon-significance-of-msmes-in-gdp-of-country>

Narayan Rane emphasizes upon significance of MSMEs in GDP of country

The Minister said it is, therefore, necessary that these growth accelerators are handheld and strengthened.

[Devdiscourse News Desk](#) | New Delhi | Updated: 29-03-2022 17:21 IST | Created: 29-03-2022 17:21 IST



He said for a long time now, MSMEs have been working amidst minimum resources and yet making a significant contribution to the GDP of the country. Image Credit: Twitter(@MeNarayanRane)

Union Minister for MSME Shri [Narayan Rane](#) has said [MSMEs](#) are growth accelerators making a significant contribution to GDP and need to be strengthened. Inaugurating two-day mega summit on MSME competitiveness and growth organized by Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) and [Entrepreneurship Development Institute of India](#) (EDII) he emphasized upon the

significance of [MSMEs](#) in the GDP of the country. He said for a long time now, [MSMEs](#) have been working amidst minimum resources and yet making a significant contribution to the GDP of the country.

The Minister said it is, therefore, necessary that these growth accelerators are handheld and strengthened. He said in this direction there has definitely been significant collective efforts to strengthen the sector and various schemes of the government are directed towards opening up new avenues for MSMEs. He further said the Government has well ensured that the MSME sector receives an unhindered credit flow from financial institutions, technology support for development and modernization, access to export markets, infrastructure facility, training and capacity building facility and welfare of workforce.

Minister of State (MoS), MSME Shri [Bhanu Pratap Singh Verma](#) said India, with its focus on entrepreneurship, start-ups, innovations and [MSMEs](#), is well placed at a remarkable time on account of interesting economic decisions and strategies. He said the discernible economic growth is a testimony to MSME development and revival, especially post the most serious wave of the pandemic .He said it would be right in assuming, and announcing, that growth in the MSME sector is palpable, and is manifesting itself in many ways all across the country and the primary reason behind this as he sees is progressive changes in the public policy.

Speaking on this occasion Dr [Sunil Shukla](#), Director General, [Entrepreneurship Development Institute of India](#) (EDII) said EDII has been closely associated with the Ministry of MSME on several important programmes and projects under cluster development, training and capacity building, research, and policy advocacy. He said we look forward to imparting yet more scalability and extensibility to the MSME sector with carefully curated strategies.

The two-day summit will witness brainstorming sessions and panel discussions on the enhancements, challenges and growth opportunities in the MSME sector, and speakers and experts from India, Singapore, Peru, Lao PDR, Rwanda, Myanmar, Russia,

Uzbekistan, Spain and Iran, will share their experiences at the summit. The summit is also going to be attended by entrepreneurs, academicians, policymakers, industry leaders, thought leaders, business chambers, industry associations, startups, social impact organizations, [MSMEs](#) and self-help groups from across the world.

During the summit, experts will deliberate on subjects such as challenges and opportunities in the MSME sector amidst the COVID-19 pandemic, incubation/acceleration in MSME growth, role of conducive policies and non-financial business development services in MSME competitiveness, and how [MSMEs](#) can work in consortia to achieve sustainability. A special panel discussion has been lined up on 'People, planet, and profit in the light of MSME sector development'. Discussions will also revolve around MSMEs' competitiveness, internationalization of Indian [MSMEs](#), technology and innovation, digital transformation of [MSMEs](#), entrepreneurship ecosystem and emerging opportunities in the MSME sector, and gender and disadvantaged communities' entrepreneurship.

Narayan Rane says MSMEs are growth accelerators making a significant contribution to GDP and need to be strengthened

March 29, 2022



New Delhi : Union Minister for MSME Narayan Rane has said MSMEs are growth accelerators making a significant contribution to GDP and need to be strengthened. Inaugurating two-day mega summit on MSME competitiveness and growth organized by Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) he emphasized upon the significance of MSMEs in the GDP of the country. He said for a long time now, MSMEs have been working amidst minimum resources and yet making a significant contribution to the GDP of the country. The Minister said it is, therefore, necessary that these growth accelerators are handheld and strengthened. He said in this direction there has definitely been significant collective efforts to strengthen the sector and various schemes of the government are directed towards opening up new avenues for MSMEs. He further said the Government has well ensured that the MSME sector receives an unhindered credit flow from financial institutions, technology support for development and modernization, access to export markets, infrastructure facility, training and capacity building facility and welfare of workforce.

Minister of State (MoS), MSME Shri Bhanu Pratap Singh Verma said India, with its focus on entrepreneurship, start-ups, innovations and MSMEs, is well placed at a remarkable time on account of interesting economic decisions and strategies. He said the discernible economic

growth is a testimony to MSME development and revival, especially post the most serious wave of the pandemic .He said it would be right in assuming, and announcing, that growth in the MSME sector is palpable, and is manifesting itself in many ways all across the country and the primary reason behind this as he sees is progressive changes in the public policy.

Speaking on this occasion Dr Sunil Shukla, Director General, Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) said EDII has been closely associated with the Ministry of MSME on several important programmes and projects under cluster development, training and capacity building, research and policy advocacy. He said we look forward to imparting yet more scalability and extensibility to the MSME sector with carefully curated strategies.

The two-day summit will witness brainstorming sessions and panel discussions on the enhancements, challenges and growth opportunities in the MSME sector and speakers and experts from India, Singapore, Peru, Lao PDR, Rwanda, Myanmar, Russia, Uzbekistan, Spain and Iran, will share their experiences at the summit. The summit is also going to be attended by entrepreneurs, academicians, policymakers, industry leaders, thought leaders, business chambers, industry associations, startups, social impact organizations, MSMEs and self-help groups from across the world.

During the summit, experts will deliberate on subjects such as challenges and opportunities in the MSME sector amidst the COVID-19 pandemic, incubation/acceleration in MSME growth, role of conducive policies and non-financial business development services in MSME competitiveness, and how MSMEs can work in consortia to achieve sustainability. A special panel discussion has been lined up on 'People, planet, and profit in the light of MSME sector development'. Discussions will also revolve around MSMEs' competitiveness, internationalization of Indian MSMEs, technology and innovation, digital transformation of MSMEs, entrepreneurship ecosystem and emerging opportunities in the MSME sector, and gender and disadvantaged communities' entrepreneurship.

MSMEs Are Growth Accelerators Making Significant Contribution To GDP: Shri Narayan Rane

Shri Narayan Rane says MSMEs are growth accelerators making a significant contribution to GDP and need to be strengthened Union Minister for MSME Shri Narayan Rane has said MSMEs are growth accelerators making a significant contribution to GDP and need to be strengthened. Inaugurating two-day mega summit on MSME competitiveness and growth organized by Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) he emphasized upon the significance of MSMEs in the GDP of the country. He said for a long time now, MSMEs have been working amidst minimum resources and yet making a significant contribution to the GDP of the country. The Minister said it is, therefore, necessary that these growth accelerators are handheld and strengthened. He said in this direction there has definitely been significant collective efforts to strengthen the sector and various schemes of the government are directed towards opening up new avenues for MSMEs. He further said the Government has well ensured that the MSME sector receives an unhindered credit flow from financial institutions, technology support for development and modernization, access to export markets, infrastructure facility, training and capacity building facility and welfare of workforce. Minister of State (MoS), MSME Shri Bhanu Pratap Singh Verma said India, with its focus on entrepreneurship, start-ups, innovations and MSMEs, is well placed at a remarkable time on account of interesting economic decisions and strategies. He said the discernible economic growth is a testimony to MSME development and revival, especially post the most serious wave of the pandemic .He said it would be right in assuming, and announcing, that growth in the MSME sector is palpable, and is manifesting itself in many ways all across the country and the primary reason behind this as he sees is progressive changes in the public policy. Speaking on this occasion Dr Sunil Shukla, Director General,

Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) said EDII has been closely associated with the Ministry of MSME on several important programmes and projects under cluster development, training and capacity building, research and policy advocacy. He said we look forward to imparting yet more scalability and extensibility to the MSME sector with carefully curated strategies. The two-day summit will witness brainstorming sessions and panel discussions on the enhancements, challenges and growth opportunities in the MSME sector and speakers and experts from India, Singapore, Peru, Lao PDR, Rwanda, Myanmar, Russia, Uzbekistan, Spain and Iran, will share their experiences at the summit. The summit is also going to be attended by entrepreneurs, academicians, policymakers, industry leaders, thought leaders, business chambers, industry associations, startups, social impact organizations, MSMEs and self-help groups from across the world. During the summit, experts will deliberate on subjects such as challenges and opportunities in the MSME sector amidst the COVID-19 pandemic, incubation/acceleration in MSME growth, role of conducive policies and non-financial business development services in MSME competitiveness, and how MSMEs can work in consortia to achieve sustainability. A special panel discussion has been lined up on 'People, planet, and profit in the light of MSME sector development'. Discussions will also revolve around MSMEs' competitiveness, internationalization of Indian MSMEs, technology and innovation, digital transformation of MSMEs, entrepreneurship ecosystem and emerging opportunities in the MSME sector, and gender and disadvantaged communities' entrepreneurship.



MSME क्षेत्र का निर्यात बढ़ाने को वैश्विक बाजार intelligence network स्थापित करेगी सरकार

- Updated 14 hours, 10 minutes ago

नई दिल्ली/नेशनल ब्यूरो। केंद्र सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (MSME) क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में कई अहम कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। कोरोना काल में सबसे ज्यादा झटका खा चुके MSME क्षेत्र को मंदी से उबारने और सिक उद्योगों को पुनर्जीवित करने के लिए कई अहम फैसले लेने के साथ ही अब निर्यात को बढ़ावा देने के

लिए वैश्विक बाजार intelligence network स्थापित करने की भी तैयारी शुरू कर दी है, ताकि वे नए बाजार में अपने लिए अवसर तलाश सकें।

नेहरू संग्रहालय का भी बदला नाम, अब PM म्यूजियम के तौर पर होगी पहचान
MSME मंत्रालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (EDII) की ओर से मंगलवार को यहां आयोजित शिखर सम्मेलन में यह जानकारी साझा करते हुए केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्री नारायण राणे ने कहा कि सरकार MSME क्षेत्र को मजबूत बनाने को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में MSME के योगदान को नकारा नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से MSME न्यूनतम संसाधनों के मध्य काम कर रहे हैं। ऐसे में अब हमारा ध्यान MSME को आसान ऋण, बेहतर प्रौद्योगिकी सहायता और निर्यात बाजारों तक पहुंच मुहैया कराने पर है। हम चाहते हैं कि हमारा MSME क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बने और विकसित हो।

कश्मीरी पंडितों को संबोधित करेंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत
राणे ने कहा कि MSME मंत्रालय एक वैश्विक बाजार intelligence network स्थापित कर रहा है जो एमएसएमई निर्यात में मदद करेगा। एक अनुमान के अनुसार, देश का MSME क्षेत्र निर्यात में 45 प्रतिशत योगदान करता है। अभी इससे निर्यात बढ़ाने की काफी संभावना है। लेकिन व्यापार से संबंधित भरोसेमंद आंकड़ों की कमी के चलते MSME क्षेत्र नए बाजार में अवसरों का इस्तेमाल कर वास्तविक निर्यात क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा। उन्होंने सभी संबंधित पक्षों से MSME क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक गतिशील विकास इंजन बनाने को लेकर रूपरेखा बनाने का आह्वान किया।

सीतारमण बोलीं- केजरीवाल सरकार के लिए बजट बनाना आसान क्योंकि...
मंत्री ने कहा कि MSME को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए अधिक शोध और नवोन्मेष तथा नए व्यावसायिक विचारों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि EDII जैसे संस्थान MSME को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मददगार हो सकते हैं। राणे ने MSME को भारत की अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बताया और देश की GDP वृद्धि और रोजगार में इस क्षेत्र के योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि MSME क्षेत्र ग्रामीण औद्योगीकरण के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है।

भगवंत मान का ऐलान- शिक्षकों से पढ़ाने के अलावा कोई अन्य काम नहीं लेंगे
इस मौके पर EDII के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने बताया कि दो दिवसीय इस मेगा शिखर सम्मेलन में भारत, सिंगापुर, पेरू, लाओ पीडीआर, रवांडा, म्यांमार, रूस, उज्बेकिस्तान, स्पेन और ईरान आदि देशों के विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे। शिखर सम्मेलन में दुनिया भर से उद्यमियों, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, उद्योग क्षेत्र से जुड़े थिंक लीडर्स, व्यापार, उद्योग संघ, स्टार्टअप, सामाजिक प्रभाव संगठन, MSME और स्व-सहायता समूहों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।



दिल्ली
Delhi

<https://www.etvbharat.com/hindi/delhi/city/delhi/mega-international-summit-started-on-msme-in-delhi/dl20220329163523112>

मेगा इंटरनेशनल समिट की शुरुआत, MSME के प्रसार पर मंथन

Published on: 20 hours ago

दिल्ली में मेगा इंटरनेशनल समिट की शुरुआत की गई. ईरान समेत दूसरे देशों से आए लोगों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की. ये समिट दो दिन तक चलेगा.

नई दिल्ली : राजधानी के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में भारत सरकार के मंत्रालय MSME के तहत दो दिवसीय मेगा इंटरनेशनल समिट की शुरुआत की गई. कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री नारायण राणे और केंद्रीय राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह ने दीप प्रज्वलन के साथ किया. कार्यक्रम में ईरान समेत अन्य राज्यों से आये फॉरेन डेलिगेट्स ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई.

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने कहा कि एमएसएमई (Ministry of small and medium enterprises) ने मेगा इंटरनेशनल समिट का जो आयोजन किया गया, उसके लिए मैं पूरे विभाग का धन्यवाद करता हूं. MSME वर्तमान समय में देश की इकोनामिक ग्रोथ में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एमएसएमई के द्वारा रूरल एरिया में भी इंडस्ट्रीज के डेवलपमेंट को लेकर काम किया जा रहा है.



अंतरराष्ट्रीय समिट का आयोजन

केंद्र सरकार ने देश में वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए विशेष पैकेज की घोषणा एमएसएमई सेक्टर के लिए की जा रही है. हमारा फोकस देशभर में टेक्नोलॉजी के साथ क्रेडिट वैल्यूएशन और लोगों तक सहायता मुहैया कराना है. MSME का सेक्टर देश की इकोनॉमी में ग्रोथ इंजन की भूमिका निभा रहा है.



<https://smestreet.in/limelight/msmes-holds-key-to-revive-the-economy-in-post-pandemic-era/>

MSME's Holds Key to Revive the Economy in Post Pandemic Era

Shri Narayan Rane says MSMEs are growth accelerators making a significant contribution to GDP and need to be strengthened.

SMEStreet Edit Desk Follow on TwitterSend an email20 hours agoLast Updated: March 29, 2022



Union Minister for MSME Shri Narayan Rane has said MSMEs are growth accelerators making a significant contribution to GDP and need to be strengthened. Inaugurating two-day mega summit on MSME competitiveness and growth organized by Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) he emphasized upon the significance of MSMEs in the GDP of the country. He said for a long time now, MSMEs have been working amidst minimum resources and yet making a significant contribution to the GDP of the country.

The Minister said it is, therefore, necessary that these growth accelerators are handheld and strengthened. He said in this direction there has definitely been significant collective efforts to strengthen the sector and various schemes of the government are directed towards opening up new avenues for MSMEs. He further said the Government has well ensured that the MSME sector receives an unhindered credit flow from financial institutions, technology support for development and modernization, access to export markets, infrastructure facility, training and capacity building facility and welfare of workforce.

Minister of State (MoS), MSME Shri Bhanu Pratap Singh Verma said India, with its focus on entrepreneurship, start-ups, innovations and MSMEs, is well placed at a remarkable time on account of interesting economic decisions and strategies. He said the discernible economic growth is a testimony to MSME development and revival, especially post the most serious wave of the pandemic. He said it would be right in assuming, and announcing, that growth in the

MSME sector is palpable and is manifesting itself in many ways all across the country and the primary reason behind this as he sees is progressive changes in public policy.

Speaking on this occasion Dr Sunil Shukla, Director General, Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) said EDII has been closely associated with the Ministry of MSME on several important programmes and projects under cluster development, training and capacity building, research and policy advocacy. He said we look forward to imparting yet more scalability and extensibility to the MSME sector with carefully curated strategies.

Ms Mercy Epao, Joint Secretary of MSME Ministry also expressed her thoughts at the event and have shared her perspective on the strong potential of MSMEs in the Post Pandemic era. “We have witnessed a turbulent time and schemes are programs that are aimed to revive the business growth are contributing significantly in providing a strong opportunity push to MSMEs.” Ms Mercy Epao said.

The two-day summit will witness brainstorming sessions and panel discussions on the enhancements, challenges and growth opportunities in the MSME sector and speakers and experts from India, Singapore, Peru, Lao PDR, Rwanda, Myanmar, Russia, Uzbekistan, Spain and Iran, will share their experiences at the summit. The summit is also going to be attended by entrepreneurs, academicians, policymakers, industry leaders, thought leaders, business chambers, industry associations, startups, social impact organizations, MSMEs and self-help groups from across the world.

During the summit, experts will deliberate on subjects such as challenges and opportunities in the MSME sector amidst the COVID-19 pandemic, incubation/acceleration in MSME growth, role of conducive policies and non-financial business development services in MSME competitiveness, and how MSMEs can work in consortia to achieve sustainability. A special panel discussion has been lined up on ‘People, planet, and profit in the light of MSME sector development’.

Discussions will also revolve around MSMEs’ competitiveness, internationalization of Indian MSMEs, technology and innovation, digital transformation of MSMEs, entrepreneurship ecosystem and emerging opportunities in the MSME sector, and gender and disadvantaged communities’ entrepreneurship.

ANY  NEWS

<https://anytvnews.com/latest-news/msme-is-development-oriented-it-needs-to-be-strengthened-narayan-rane/>

MSME is development oriented, it needs to be

strengthened – Narayan Rane

by **Ankita Sharma**

[March 29, 2022](#)



New Delhi . Union Minister for Micro, Small and Medium Enterprises Narayan Rane inaugurated the two day Mega International Summit on ‘Competitiveness and Growth in MSMEs’ organized by Ministry of MSME and Indian Institute of Entrepreneurship Development (SRI) in New Delhi. Union Minister of State Bhanu Pratap Singh Verma and representatives of the Government of Iran were the special guests on this occasion.

Dr Sunil Shukla, Director General, EDII informed that this two-day mega summit is being organized by the Ministry of MSME and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad. Experts from countries like India, Singapore, Peru, Lao PDR, Rwanda, Myanmar, Russia, Uzbekistan, Spain and Iran will share their experiences in the conference.

Entrepreneurs, academicians, policy makers, industry think leaders, representatives from business, industry associations, startups, social impact organizations, MSMEs and self-help groups from across the globe are participating in the summit.

Speaking at the conference, Union Minister Narayan Rane said that the significant contribution of MSMEs to the country's GDP cannot be denied. He said that since long MSMEs are working with minimum resources, yet they are contributing significantly to the GDP of the country. Therefore, it is necessary that the growth oriented small medium and micro enterprises become more robust. However, significant collective efforts have been made in this direction. On the initiative of Prime Minister Narendra Modi, work is being done in the direction of opening new avenues for MSMEs through various schemes of the Central Government.

He said that the central government has ensured that an undisputed credit flow to the MSME sector through financial institutions, technology support for development and modernization, access to export markets, infrastructure facilities, training and capacity building facilities and welfare of the workforce. Keep getting On this occasion, Union Minister of State Bhanu Pratap Singh Verma said in his address, "India is focusing on entrepreneurship, start-up, innovation and MSMEs. Even in the COVID epidemic, MSMEs have not slowed down the pace of economic development of the country. He said that with the growth in MSME sector it is clear that the country is working in this direction in many ways. The primary reason behind this is the progressive changes in public policy by the Modi government. To do.

Speaking on the occasion, Dr Sunil Shukla, Director General, Indian Institute of Entrepreneurship Development (EDII) said that EDII is closely associated with the Ministry of MSME on several important programs and projects under cluster development, training, capacity building, research and policy advocacy. We expect more expansion in the MSME sector with strategies.

During the two-day summit, experts will deliberate on topics such as the growth and development of MSMEs, the role of conducive policies and challenges and opportunities in the MSME sector in non-financial business development services in MSMEs and how MSMEs achieve sustainability in the competitive era. Will have an in-depth discussion on the subjects etc. Special Panel Discussion of MSMEs on MSMEs, Competitiveness, Internationalization of Technology and Innovation, Digital Transformation of MSMEs,

Digital Transformation of Entrepreneurship Ecosystem and Emerging opportunities for underprivileged communities in the MSME sector.

PEHAL
NEWS

<https://www.pehalnews.in/msme-ministry-to-set-up-global-market-intelligence-network-for-msme-exports/1803635/>



[Latest](#)

MSME Ministry to set up Global Market Intelligence Network for MSME exports

[March 29, 2022](#) [Pehal News Team](#) [0 Comments](#) [EDII](#), [GDP](#), [MSME Exports](#), [MSME Ministry](#), [MSMEs](#), [Narayan Rane](#), [Narendra Modi](#)

MSME Minister [Narayan Rane](#) on Tuesday mentioned that the [MSME Ministry](#) will come up with a Global Market Intelligence Network to assist [MSME exports](#).

“We all want that micro should grow to become small and small to medium. Growth must be the only constant for [MSMEs](#) and they should grow to become champions,” the minister mentioned whereas talking on the Mega International Summit on MSMEs’ Competitiveness and Growth within the capital.

The occasion was co-organised by the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises and Entrepreneurship Development Institute of India ([EDII](#)). The two-day summit, which has audio system from completely different nations, will deal with alternatives, challenges and development prospects for the MSME sector.

Rane mentioned that the main focus has been to present straightforward credit score, higher expertise, assist and entry to the export market. “We want our MSME sector to become competitive and grow. We live in the globalised era. Our foreign mission industry bodies and MSME research institutes can help such units in this direction,” he added.

Elaborating additional on the importance of MSMEs, the minister mentioned that the sector represents the expansion engine of the financial system. “It makes good contribution to the growth of the [GDP](#), employment and exports. It is key to rural industrialisation. Our government under the leadership of PM [Narendra Modi](#) is attaching great importance to MSME,” he acknowledged.

Calling all stakeholders to chart out a roadmap to make the MSME sector a vibrant development engine, Rane mentioned that the sector can lead the expansion as soon as it turns into extra aggressive. “To achieve this aim, new research and innovation, new business ideas and workforce scale up will be needed,” he mentioned.

Bhanu Pratap Singh Verma, Minister of State, MSME talked about that India with its deal with entrepreneurship, improvements and MSMEs is properly positioned at a outstanding time on account of attention-grabbing financial selections and methods. “The growth in the MSME sector is palpable and is manifesting itself in many ways all across the country. The primary reason behind this is progressive changes in the public policy,” he acknowledged.

Affirming his views, Sunil Shukla, Director General, EDII mentioned that India is witnessing nice adjustments now with MSMEs opening up to the digital world. “Access to tech, finance, product diversification, networking and sustained infrastructure remain some of the areas where entrepreneurs require hand holding, mentoring and grooming. The recent policies have targeted such areas and enabled growth of MSMEs not only in large cities but also semi urban areas,” he mentioned.

MSMEs kind a pivotal a part of the Indian financial system, contributing 48% to exports and 30% to the GDP. There has been no respite for the sector which has been reeling underneath the impression of the pandemic adopted by excessive enter prices that has severely affected their backside traces.



<https://insamachar.com/msmes-are-among-the-sectors-that-promote-growth-which-contribute-significantly-to-gdp-union-minister-narayan-rane/>

**MSME विकास को बढ़ावा देने वाले
सेक्टरों में शामिल हैं जो जीडीपी में**

उल्लेखनीय योगदान देते: केंद्रीय मंत्री नारायण राणे

मार्च 29, 2022 [INSAMACHAR](#)



केंद्रीय एमएसएमई मंत्री नारायण राणे ने कहा है कि एमएसएमई विकास को बढ़ावा देने वाले सेक्टरों में शामिल हैं जो जीडीपी में उल्लेखनीय योगदान देते हैं तथा उन्हें सुदृढ़ बनाये जाने की आवश्यकता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) द्वारा एमएसएमई प्रतिस्पर्धात्मकता तथा विकास पर आयोजित दो दिवसीय मेगा सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने देश के जीडीपी में एमएसएमई के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अब लंबे समय से, एमएसएमई न्यूनतम संसाधनों के बीच काम करते रहे हैं और फिर भी देश के जीडीपी में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। नारायण राणे ने कहा कि इसलिए यह आवश्यक है कि विकास को बढ़ावा देने वालों की प्राथमिक सहायता की जाए तथा उन्हें सुदृढ़ बनाया जाए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सेक्टर को सुदृढ़ बनाने के लिए उल्लेखनीय सामूहिक प्रयास किए गए हैं और सरकार की विभिन्न योजनाओं की दिशा एमएसएमई के लिए नए अवसरों को खोलने के बारे में निर्देशित रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने पूरी तरह यह सुनिश्चित किया है कि एमएसएमई सेक्टर को वित्तीय संस्थानों से निर्बाधित ऋण प्रवाह प्राप्त हो, विकास तथा आधुनिकीकरण के लिए प्रौद्योगिकी की सहायता मिलती रहे, निर्यात बाजारों, बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण की सुविधा और श्रमिकों के कल्याण की सुविधा निरंतर प्राप्त होती रहे।

केंद्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने कहा कि उद्यमिता, स्टार्ट-अप्स, नवोन्मेषणों तथा एमएसएमई पर अपने फोकस के साथ भारत दिलचस्प आर्थिक निर्णयों तथा रणनीतियों के कारण उल्लेखनीय समय पर पूरी तरह से मजबूती के साथ स्थित है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट आर्थिक वृद्धि विशेष रूप से महामारी की सबसे गंभीर लहर के बाद एमएसएमई विकास तथा पुनरोत्थान का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह मानना और घोषणा करना सही होगा कि एमएसएमई सेक्टर में विकास स्पष्ट है और

यह देश भर में कई प्रकार से खुद को परिलक्षित कर रहा है तथा उनके विचार से इसके पीछे का प्राथमिक कारण सार्वजनिक नीति में प्रगतिशील परिवर्तन हैं।

इस अवसर पर भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा कि ईडीआईआई क्लस्टर विकास, प्रशिक्षण, और क्षमता निर्माण, अनुसंधान एवं नीतिगत पक्षधरता के तहत कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों तथा परियोजनाओं पर एमएसएमई मंत्रालय के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि हम सावधानीपूर्वक तैयार की गई रणनीतियों के साथ एमएसएमई क्षेत्र को और अधिक मापनीयता तथा विस्तारशीलता प्रदान करने की उम्मीद करते हैं।

दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में एमएसएमई सेक्टर में वृद्धि, चुनौतियों तथा विकास अवसरों पर चिंतन बैठक सत्र आयोजित किए जाएंगे तथा पैनल चर्चाएं होंगी और भारत, सिंगापुर, पेरु, लाओ पीडीआर, रवांडा, म्यांमार, रूस, उज्बेकिस्तान, स्पेन तथा ईरान के विशेषज्ञ सम्मेलन के दौरान अपने अनुभव साझा करेंगे। शिखर सम्मेलन में विश्व भर के उद्यमी, शिक्षाविद, नीति निर्माता, उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्ति, विचारक, व्यापार मंडल, उद्योग संघ, स्टार्टअप्स, सामाजिक प्रभाव संगठन, एमएसएमई तथा स्वयं सहायता समूहों के भाग लेने की उम्मीद है।

सम्मेलन के दौरान, विशेषज्ञ, कोविड-19 महामारी के बीच एमएसएमई सेक्टर में चुनौतियां तथा अवसर, एमएसएमई विकास इंक्यूबेशन/तीव्रता, एमएसएमई प्रतिस्पर्धा में अनुकूल नीतियों की भूमिका तथा गैर वित्तीय व्यवसाय विकास सेवाएं और किस प्रकार एमएसएमई स्थिरता अर्जित करने के लिए परिसंघ के रूप में काम कर सकते हैं, जैसे विषयों पर विचार विमर्श करेंगे। 'एमएसएमई सेक्टर विकास के आलोक में लोग, ग्रह तथा लाभ' विषय पर एक विशेष पैनल चर्चा का आयोजन किया गया है। एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता, भारतीय एमएसएमई के अंतरराष्ट्रीयकरण, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेषण, एमएसएमई का डिजिटल रूपांतरण, एमएसएमई सेक्टर में उद्यमिता परितंत्र तथा उभरते अवसर और जेंडर तथा वंचित समुदायों की उद्यमिता के इर्द गिर्द भी चर्चाएं होंगी।



खास खबर
.com
हर खबर खास खबर

<https://www.khaskhabar.com/local/delhi-ncr/delhi-news/news-msme-is-development-oriented-it-needs-to-be-strengthened---narayan-rane-news-hindi-1-509995-KKN.html>

एमएसएमई विकास मूलक है इसे मजबूत करने की आवश्यकता है - नारायण राणे

khaskhabar.com : मंगलवार, 29 मार्च 2022 5:11 PM



नई दिल्ली। केन्द्रीय सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे के नई दिल्ली में एमएसएमई मंत्रालय और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान(श्री) द्वारा 'एमएसएमई में प्रतिस्पर्धात्मकता और विकास' विषय पर आयोजित दो दिवसीय मेगा अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस मौके पर केन्द्रीय राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा और ईरान सरकारके प्रतिनिधि गण विशिष्ट अतिथि थे।

समारोह में ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ला ने बताया कि दो दिवसीय यह मेगा शिखर सम्मेलन एमएसएमई मंत्रालय और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद द्वारा आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में भारत, सिंगापुर, पेरू, लाओ पीडीआर, रवांडा, म्यांमार, रूस, उजबेकिस्तान, स्पेन और ईरान आदि देशों के विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे। शिखर सम्मेलन में दुनिया भर से उद्यमियों, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, उद्योग क्षेत्र से जुड़े थिंक लीडर्स, व्यापार, उद्योग संघ, स्टार्टअप, सामाजिक प्रभाव संगठन, एमएसएमई और स्व-सहायता समूहों के प्रतिनिधि गण भाग ले रहें हैं।

सम्मेलन में बोलते हुए केन्द्रीय मंत्री नारायण राणे ने कहा कि देश के सकल घरेलू उत्पाद में एमएसएमई के महत्व पूर्ण योगदान को नकारा नहीं जा सकता है । उन्होंने कहा कि लंबे समय से एमएसएमई न्यूनतम संसाधनों के मध्य काम कर रहे हैं, फिर भी वे देश के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इसलिए, यह आवश्यक है कि विकास मूलक लघु मध्यम और सूक्ष्म उध्यम और अधिक मजबूत बने । हालाँकि इस दिशा में महत्वपूर्ण सामूहिक प्रयास किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं द्वारा एमएसएमई के लिए नए रास्ते खोलने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि एमएसएमई क्षेत्र को वित्तीय संस्थानों, विकास और आधुनिकीकरण के लिए प्रौद्योगिकी सहायता, निर्यात बाजारों तक पहुंच, बुनियादी ढांचे की सुविधा, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सुविधा और कार्यबल के कल्याण के लिए एक निर्विवाद क्रेडिट प्रवाह प्राप्त होता रहें। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने अपने संबोधन में कहा, "भारत, उद्यमिता, स्टार्ट-अप, नवाचार और एमएसएमई पर ध्यान केंद्रित कर रही है।कोविड महामारी में भी एमएसएमई ने देश के आर्थिक विकास की गति को कम नहीं होने दिया जोकि इसकी प्रासंगिकता की गवाही है । उन्होंने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र में वृद्धि से यह स्पष्ट है कि देश में कई तरीकों से इस दिशा में काम हो रहा है। इसके पीछे जो प्राथमिक कारण है , वे मोदी सरकार द्वारा सार्वजनिक नीति में प्रगतिशील परिवर्तन करना है।

इस अवसर पर बोलते हुए भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ला ने कहा कि ईडीआईआई क्लस्टर विकास, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, अनुसंधान और नीति वकालत के तहत कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और परियोजनाओं पर एमएसएमई मंत्रालय से निकटता से जुड़ा हुआ है। हम रणनीतियों के साथ एमएसएमई क्षेत्र में अधिक विस्तार की उम्मीद करते हैं।

दो दिन के शिखर सम्मेलन के दौरान, विशेषज्ञ एमएसएमई के विकास और वृद्धि, अनुकूल नीतियों की भूमिका और एमएसएमई में गैर-वित्तीय व्यापार विकास सेवाओं में एमएसएमई क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों जैसे विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे और प्रतिस्पर्धात्मकता युग में कैसे एमएसएमई स्थिरता प्राप्त करने की कसौटियों पर खरा उतर कर काम कर सकता है आदि विषयों पर गहन विचार विमर्श करेंगे। एमएसएमई की विशेष पैनल चर्चा एमएसएमई, प्रतिस्पर्धात्मकता, प्रौद्योगिकी और नवाचार के अंतर्राष्ट्रीयकरण, एमएसएमई के डिजिटल परिवर्तन, उद्यमिता पारिस्थितिक तंत्र के डिजिटल परिवर्तन और एमएसएमई क्षेत्र में वंचित समुदायों के लिए उभरते अवसरों पर भी चर्चा की जायेगी।



<https://thehitc.com/msme-msme-ministry-establishes-global-market-intelligence-network-for-msme-exports/>

MSME: MSME Ministry establishes Global Market Intelligence Network for MSME exports

Dais Johnston 22 hours ago



MSME Minister [Narayan rane](#) on Tuesday said that the [MSME Ministry](#) will establish a Global Market Intelligence Network to help MSME exports.

“We all want micro to go small and small to medium. Growth must be the only constant for [MSME](#) and they should grow to become champions,” the minister said while speaking about the competitiveness and growth of MSMEs in the capital at the Mega International Summit.

The event was co-sponsored by the Indian Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises and the Entrepreneurship Development Institute ([EDII](#)). The two-day summit with speakers from different countries will focus on opportunities, challenges and growth prospects for the MSME sector.

Rane said the focus was on providing easy credit, better technology, support and access to the export market. “We want our MSME sector to be competitive and grow. We live in the globalized age. Our foreign mission industry bodies and MSME research institutes can help such units in this direction,” he added.

The minister further elaborated on the importance of MSMEs, saying that the sector is the engine of economic growth. “It makes a good contribution to the growth of the [GDP](#), Employment and Export. It is the key to rural industrialization. Our government led by PM [Narendra Modi](#) attaches great importance to MSMEs,” he said.

Rane urged all stakeholders to create a roadmap to make the MSME sector a dynamic engine of growth, saying that once the sector becomes more competitive, it can lead the growth. "To achieve this goal, new research and innovation, new business ideas and an increase in the workforce will be needed," he said.

Sunil Shukla, Director General of EDII, reiterated his views, saying that India is now experiencing major changes as MSMEs open up to the digital world. "Access to technology, finance, product diversification, networking and sustainable infrastructure remain some of the areas where entrepreneurs need holding hands, mentoring and nurturing. Recent policies have targeted such areas and enabled the growth of MSMEs not only in big cities but also in semi-urban areas," he said.

MSMEs form a central part of the Indian economy, contributing 48% to exports and 30% to GDP. There has been no respite for the sector, which has suffered the impact of the pandemic, followed by high input costs that have severely impacted results.

<https://economictimes.indiatimes.com/small-biz/sme-sector/msme-ministry-to-set-up-global-market-intelligence-network-for-msme-exports/articleshow/90515088.cms>

MSME: MSME Ministry establishes Global Market Intelligence Network for MSME exports



<https://indiaeducationdiary.in/narayan-rane-says-msmes-are-growth-accelerators-making-a-significant-contribution-to-gdp-and-need-to-be-strengthened/>



Narayan Rane Says MSMEs Are Growth Accelerators Making A Significant Contribution To GDP And Need To Be Strengthened



By India Education Diary Bureau Admin On Mar 30, 2022

Share

New Delhi: Union Minister for MSME Shri Narayan Rane has said MSMEs are growth accelerators making a significant contribution to GDP and need to be strengthened. Inaugurating two-day mega summit on MSME competitiveness and growth organized by Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) he emphasized upon the significance of MSMEs in the GDP of the country. He said for a long time now, MSMEs have been working amidst minimum resources and yet making a significant contribution to the GDP of the country. The Minister said it is, therefore, necessary that these growth accelerators are handheld and strengthened. He said in this direction there has definitely been significant collective efforts to strengthen the sector and various schemes of the government are directed towards opening up new avenues for MSMEs. He further said the Government has well ensured that the MSME sector receives an unhindered credit flow from financial institutions, technology support for development and modernization, access to export markets, infrastructure facility, training and capacity building facility and welfare of workforce.

Minister of State (MoS), MSME Shri Bhanu Pratap Singh Verma said India, with its focus on entrepreneurship, start-ups, innovations and MSMEs, is well placed at a remarkable time on account of interesting economic decisions and strategies. He said the discernible economic growth is a testimony to MSME development and revival, especially post the most serious wave of the pandemic. He said it would be right in assuming, and announcing, that growth in the MSME sector is palpable, and is manifesting itself in many ways all across the country and the primary reason behind this as he sees is progressive changes in the public policy.

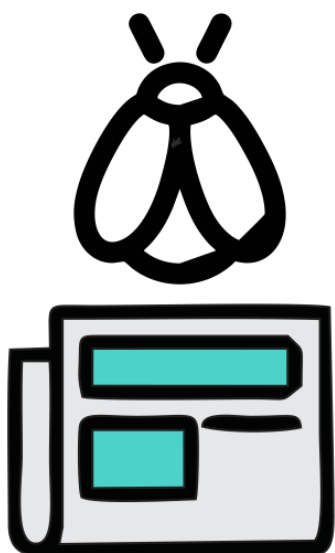
Speaking on this occasion Dr Sunil Shukla, Director General, Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) said EDII has been closely associated with the Ministry of MSME on several important programmes and projects under cluster development, training and capacity building, research and policy advocacy. He said we look forward to imparting yet more scalability and extensibility to the MSME sector with carefully curated strategies.

The two-day summit will witness brainstorming sessions and panel discussions on the enhancements, challenges and growth opportunities in the MSME sector and speakers and experts from India, Singapore, Peru, Lao PDR, Rwanda, Myanmar, Russia, Uzbekistan, Spain and Iran, will share their experiences at the summit. The summit is also going to be attended by

entrepreneurs, academicians, policymakers, industry leaders, thought leaders, business chambers, industry associations, startups, social impact organizations, MSMEs and self-help groups from across the world.

During the summit, experts will deliberate on subjects such as challenges and opportunities in the MSME sector amidst the COVID-19 pandemic, incubation/acceleration in MSME growth, role of conducive policies and non-financial business development services in MSME competitiveness, and how MSMEs can work in consortia to achieve sustainability. A special panel discussion has been lined up on 'People, planet, and profit in the light of MSME sector development'.

Discussions will also revolve around MSMEs' competitiveness, internationalization of Indian MSMEs, technology and innovation, digital transformation of MSMEs, entrepreneurship ecosystem and emerging opportunities in the MSME sector, and gender and disadvantaged communities' entrepreneurship.



Khabar किडा

<https://khabarkeeda.com/to-advance-the-msme-sector-the-new-step-of-the-government-will-be-to-establish-a-global-intelligence-network/>

MSME Sector को आगे बढ़ाने के लिए सरकार का नया कदम, ग्लोबल 'इंटेलिजेंस नेटवर्क' करेगी स्थापित

March 29, 2022

MSME Sector: केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम क्षेत्र (MSME Sector) से देश का निर्यात बढ़ाने के लिये ग्लोबल इंटेलिजेंस नेटवर्क स्थापित कर रही है. ग्लोबल मार्केट

‘इंटेलिजेंस नेटवर्क’ विदेशी बाजारों पर निर्यात से संबंधित आंकड़ों के मामले में ज्ञान के भंडार के रूप में कार्य करेगा और MSME निर्यातकों के लिये आसान बाजार पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा.

MSME सेक्टर पर रहेगा फोकस

एमएसएमई मंत्रालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (EDII) द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्री राणे ने कहा कि सरकार एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने को लेकर गंभीर है.

इंटेलिजेंस नेटवर्क कर रहा स्थापित

उन्होंने कहा, “हमारा ध्यान आसान लोन, बेहतर प्रौद्योगिकी सहायता और निर्यात बाजारों तक पहुंच प्रदान करने पर है. हम चाहते हैं कि हमारा एमएसएमई क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बने और विकसित हो.” राणे ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय एक वैश्विक बाजार ‘इंटेलिजेंस नेटवर्क’ स्थापित कर रहा है जो एमएसएमई निर्यात में मदद करेगा.

निर्यात में करता है 45 फीसदी योगदान

एक अनुमान के मुताबिक, देश का एमएसएमई क्षेत्र निर्यात में 45 प्रतिशत योगदान करता है. इस खंड से निर्यात बढ़ाने की काफी संभावना है. हालांकि, व्यापार से संबंधित भरोसेमंद आंकड़ों की कमी प्रमुख बाधा है. इससे एमएसएमई क्षेत्र नये बाजार में अवसरों का उपयोग कर वास्तविक निर्यात क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा.

विकास इंजन बनाने के लिए तैयार की रूपरेखा

मंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से एमएसएमई क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक गतिशील विकास इंजन बनाने को लेकर रूपरेखा तैयार करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि एमएसएमई को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिये अधिक शोध और नवोन्मेष तथा नये व्यावसायिक विचारों की जरूरत है.

मंत्री ने कहा कि ईडीआईआई जैसे संस्थान एमएसएमई को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद कर सकते हैं. राणे ने एमएसएमई को भारत की अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बताया और देश की जीडीपी वृद्धि और रोजगार में इस क्षेत्र के योगदान का जिक्र किया. उन्होंने कहा, “यह ग्रामीण औद्योगिकीकरण के लिहाज से महत्वपूर्ण है...”



<https://www.hotnewsupdates.com/governments-new-step-to-advance-the-msme-sector-will-set-up-a-global-intelligence-network/>

Government's new step to advance the MSME sector, will set up a global 'Intelligence Network'

March 29, 2022 by [Hot News Updates](#)

MSME Sector: Union Minister Narayan Rane said that the government is setting up a Global Intelligence Network to increase the country's exports from the MSME sector. The Global Market 'Intelligence Network' will act as a repository of knowledge in terms of export related data on overseas markets and facilitate easy market access for MSME exporters.

Focus will be on MSME sector
In the summit organized by the Ministry of MSME and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Minister for Micro, Small and Medium

Enterprises Rane said that the government is serious about strengthening the MSME sector.

Establishing Intelligence Network

"Our focus is on providing easy loans, better technology support and access to export markets. We want our MSME sector to become competitive and grow." Rane said that the MSME Ministry is setting up a global market 'Intelligence Network' which will help MSME exports.

Contributes 45 percent to exports

According to an estimate, the MSME sector of the country contributes 45 percent to the exports. There is a lot of potential to increase exports from this segment. However, lack of reliable data related to trade is the major hurdle. Due to this the MSME sector is not able to utilize the real export potential by utilizing the opportunities in the new market.

ready-made framework for building development engine

The Minister called upon all concerned to prepare a roadmap to make the MSME sector a dynamic growth engine for the country's economy. He said that more research and innovation and new business ideas are needed to make MSMEs competitive.

The Minister said that institutions like EDII can help in taking MSMEs to new heights. Rane described MSMEs as the growth engine of India's economy and mentioned the sector's contribution to the country's GDP growth and employment. "It is important from the point of view of rural industrialization..."

<https://hitimes.in/2022/03/29/government-to-set-up-global-market-intelligence-network-for-msme-sector/>

Government To Set Up Global Market ‘Intelligence Network’ For MSME Sector

MSME Sector: Union Minister Narayan Rane said that the government is setting up a Global Intelligence Network to increase the country’s exports from the MSME sector. The Global Market ‘Intelligence Network’ will act as a repository of knowledge in terms of export related data on overseas markets and facilitate easy market access for MSME exporters.

Focus will be on MSME sector

In the summit organized by the Ministry of MSME and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Minister for Micro, Small and Medium Enterprises Rane said that the government is serious about strengthening the MSME sector.

Establishing Intelligence Network

“Our focus is on providing easy loans, better technology support and access to export

markets. We want our MSME sector to become competitive and grow.” Rane said that the MSME Ministry is setting up a global market ‘Intelligence Network’ which will help MSME exports.

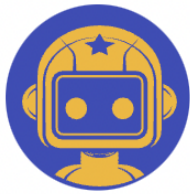
Contributes 45 percent to exports

According to an estimate, the MSME sector of the country contributes 45 percent to the exports. There is a lot of potential to increase exports from this segment. However, lack of reliable data related to trade is the major hurdle. Due to this the MSME sector is not able to utilize the real export potential by utilizing the opportunities in the new market.

ready-made framework for building development engine

The Minister called upon all concerned to prepare a roadmap to make the MSME sector a dynamic growth engine for the country’s economy. He said that more research and innovation and new business ideas are needed to make MSMEs competitive.

The Minister said that institutions like EDII can help in taking MSMEs to new heights. Rane described MSMEs as the growth engine of India’s economy and mentioned the sector’s contribution to the country’s GDP growth and employment. “It is important from the point of view of rural industrialization...”



INDIA EXPRESS ONLINE

<https://indiaexpressonline.in/narayan-rane-msme-ministry-coming-out-with-global-market-intelligence-system-to-support-msme-exports/>



Narayan Rane: MSME Ministry coming out with Global Market

Intelligence System to support MSME exports

March 29, 2022 by [indiaexpressonline_ckh8kh](#)

Trade, import and export for MSMEs: MSME Minister Narayan Rane on Tuesday said the government is coming out with a Global Market Intelligence System to support MSME exports. Speaking at a summit organised by the MSME Ministry and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) on MSMEs' competitiveness and growth, the minister called upon all the stakeholders of the MSME ecosystem to charting out a roadmap for strengthening the competitiveness of the sector.

"Our focus is towards providing easy credit, better technology support, and access to the export market. We want our MSMEs to become competitive and grow in the era of globalisation," Rane said.

Importantly, the Global Market Intelligence System was part of one of the sub-components under the revised guidelines issued by the MSME Ministry for the International Cooperation Scheme in August last year. According to the guidelines, the system was proposed to act as a central knowledge repository of export-related data on foreign markets.

"It will provide simplified information on trade statistics, market access issues, and export potential indicators. It will further provide information on tenders and procurements globally and export orientation of MSMEs through the provision of specially designed Orientation Courses by specialised government institutions actively involved in the area of foreign trade," the guidelines read.

The International Cooperation Scheme has been in operation since 1996 to facilitate Indian MSMEs for their participation in international exhibitions, trade fairs, buyer-seller meet etc. The scheme provides financial assistance on a reimbursement basis to the state and central government organizations, industry associations, and others associated with the promotion of the MSME sector.

"Ministry of MSME has been revising several policies conducive to the growth of MSMEs...We also have backward linkages such as cluster development and forward linkages for the market as the MSME Minister mentioned about international cooperation (scheme) for capacity building of exporters and also

for Global Market Intelligence System,” Mercy Epao, Joint Secretary – SME Division, MSME Ministry said at the summit.



<https://www.koppr.com/post/narayan-rane-msme-ministry-coming-out-with-global-market-intelligence-6242d58f700df1a2ad6f7946>

Financial Express

Narayan Rane: MSME Ministry coming out with Global Market Intelligence System to support MSME exports

1 day ago



Trade, import and export for MSMEs: “Our focus is towards providing easy credit, better technology support, and access to the export market. We want our MSMEs to become competitive and grow in the era of globalisation,” said MSME Minister Narayan Rane.

Read More at [Financial Express](#)



The Hawk
Everyone's News, Everyone's Views

<https://thehawk.in/business/MSMEs-Growth-Accelerators-Making-Significant-Contribution/cid7017799.htm>

MSMEs Growth Accelerators Making Significant Contribution To GDP & Need To Be Strengthened: Rane

THE HAWK Mar 30, 2022 04:50:56

New Delhi (The Hawk): Union Minister for MSME Shri Narayan Rane has said MSMEs are growth accelerators making a significant contribution to GDP and need to be strengthened. Inaugurating two-day mega summit on MSME competitiveness and growth organized by Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) he emphasized upon the significance of MSMEs in the GDP of the country. He said for a long time now, MSMEs have been working amidst minimum resources and yet making a significant contribution to the GDP of the country. The Minister said it is, therefore, necessary that these growth accelerators are handheld and strengthened. He said in this direction there has definitely been significant collective efforts to strengthen the sector and various schemes of the government are directed towards opening up new

avenues for MSMEs. He further said the Government has well ensured that the MSME sector receives an unhindered credit flow from financial institutions, technology support for development and modernization, access to export markets, infrastructure facility, training and capacity building facility and welfare of workforce. Minister of State (MoS), MSME Shri Bhanu Pratap Singh Verma said India, with its focus on entrepreneurship, start-ups, innovations and MSMEs, is well placed at a remarkable time on account of interesting economic decisions and strategies. He said the discernible economic growth is a testimony to MSME development and revival, especially post the most serious wave of the pandemic .He said it would be right in assuming, and announcing, that growth in the MSME sector is palpable, and is manifesting itself in many ways all across the country and the primary reason behind this as he sees is progressive changes in the public policy.

Speaking on this occasion Dr Sunil Shukla, Director General, Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) said EDII has been closely associated with the Ministry of MSME on several important programmes and projects under cluster development, training and capacity building, research and policy advocacy. He said we look forward to imparting yet more scalability and extensibility to the MSME sector with carefully curated strategies.

The two-day summit will witness brainstorming sessions and panel discussions on the enhancements, challenges and growth opportunities in the MSME sector and speakers and experts from India, Singapore, Peru, Lao PDR, Rwanda, Myanmar, Russia, Uzbekistan, Spain and Iran, will share their experiences at the summit. The summit is also going to be attended by entrepreneurs, academicians, policymakers, industry leaders, thought leaders, business chambers, industry associations, startups, social impact organizations, MSMEs and self-help groups from across the world.

During the summit, experts will deliberate on subjects such as challenges and opportunities in the MSME sector amidst the COVID-19 pandemic, incubation/acceleration in MSME growth, role of conducive policies and non-financial business development services in MSME competitiveness, and how MSMEs can work in consortia to achieve sustainability. A special panel discussion has been lined up on 'People, planet, and profit in the light of MSME sector development'. Discussions will also revolve around MSMEs' competitiveness, internationalization of Indian MSMEs, technology and innovation, digital transformation of MSMEs, entrepreneurship ecosystem and emerging opportunities in the MSME sector, and gender and disadvantaged communities' entrepreneurship.



<https://www.psuconnect.in/news/msmes-are-major-contributors-to-gdp/31910>

MSMEs are major contributors to GDP, need to be strengthened: MSME Minister Narayan Rane

- BY [PSU CONNECT](#)

DATE: 29-03-22

The two-day summit will witness brainstorming sessions and panel discussions on the enhancements, challenges and growth opportunities in the MSME sector



MSMEs are major contributors to GDP, need to be strengthened: MSME Minister Narayan Rane

New Delhi: Union Minister for MSME Shri Narayan Rane has said MSMEs are growth accelerators making a significant contribution to GDP and need to be strengthened. Inaugurating a two-day mega summit on MSME competitiveness and growth organized by the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) he emphasized the significance of MSMEs in the GDP of the country. He said for a long time now, MSMEs have been working amidst minimum resources and yet making a significant contribution to the GDP of the country.

The Minister said it is, therefore, necessary that these growth accelerators are handheld and strengthened. He said in this direction there has definitely been significant collective efforts to strengthen the sector and

various schemes of the government are directed towards opening up new avenues for MSMEs.

He further said the Government has well ensured that the MSME sector receives an unhindered credit flow from financial institutions, technology support for development and modernization, access to export markets, infrastructure facility, training and capacity building facility and welfare of the workforce.

Minister of State (MoS), MSME Shri Bhanu Pratap Singh Verma said India, with its focus on entrepreneurship, start-ups, innovations, and MSMEs, is well placed at a remarkable time on account of interesting economic decisions and strategies. He said the discernible economic growth is a testimony to MSME development and revival, especially post the most serious wave of the pandemic. He said it would be right in assuming, and announcing, that growth in the MSME sector is palpable and is manifesting itself in many ways all across the country and the primary reason behind this as he sees is progressive changes in public policy.

Speaking on this occasion Dr. Sunil Shukla, Director General, Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) said EDII has been closely associated with the Ministry of MSME on several important programmes and projects under cluster development, training and capacity building, research and policy advocacy. He said we look forward to imparting yet more scalability and extensibility to the MSME sector with carefully curated strategies.

The two-day summit will witness brainstorming sessions and panel discussions on the enhancements, challenges and growth opportunities in the MSME sector and speakers and experts from India, Singapore, Peru,

Lao PDR, Rwanda, Myanmar, Russia, Uzbekistan, Spain and Iran, will share their experiences at the summit. The summit is also going to be attended by entrepreneurs, academicians, policymakers, industry leaders, thought leaders, business chambers, industry associations, startups, social impact organizations, MSMEs and self-help groups from across the world.

During the summit, experts will deliberate on subjects such as challenges and opportunities in the MSME sector amidst the COVID-19 pandemic, incubation/acceleration in MSME growth, role of conducive policies and non-financial business development services in MSME competitiveness, and how MSMEs can work in consortia to achieve sustainability. A special panel discussion has been lined up on 'People, planet, and profit in the light of MSME sector development'. Discussions will also revolve around MSMEs' competitiveness, internationalization of Indian MSMEs, technology and innovation, digital transformation of MSMEs, entrepreneurship ecosystem and emerging opportunities in the MSME sector, and gender and disadvantaged communities' entrepreneurship.



<https://knewsindia.in/19097/>

**EDII शिखर सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री का बयान,
MSME Sector को बढ़ाने के लिए सरकार ग्लोबल
'इंटेलिजेंस नेटवर्क' करेगी स्थापित**

March 29, 2022

MSME Sector: एमएसएमई मंत्रालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (EDII) द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्री राणे ने कहा कि, सरकार एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने को लेकर गंभीर है।

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने कहा कि, सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम क्षेत्र (MSME Sector) से देश का निर्यात बढ़ाने के लिये ग्लोबल इंटेलिजेंस नेटवर्क स्थापित कर रही है. ग्लोबल मार्केट 'इंटेलिजेंस नेटवर्क' विदेशी बाजारों पर निर्यात से संबंधित आंकड़ों के मामले में ज्ञान के भंडार के रूप में कार्य करेगा और MSME निर्यातकों के लिये आसान बाजार पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा।

इंटेलिजेंस नेटवर्क कर रहा स्थापित-

उन्होंने कहा, “हमारा ध्यान आसान लोन, बेहतर प्रौद्योगिकी सहायता और निर्यात बाजारों तक पहुंच प्रदान करने पर है. हम चाहते हैं कि हमारा एमएसएमई क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बने और विकसित हो.” राणे ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय एक वैश्विक बाजार 'इंटेलिजेंस नेटवर्क' स्थापित कर रहा है जो एमएसएमई निर्यात में मदद करेगा।

विकास इंजन बनाने के लिए तैयार की रूपरेखा-

मंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से एमएसएमई क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक गतिशील विकास इंजन बनाने को लेकर रूपरेखा तैयार करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि एमएसएमई को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिये अधिक शोध और नवोन्मेष तथा नये व्यावसायिक विचारों की जरूरत है।

मंत्री ने कहा कि, ईडीआईआई जैसे संस्थान एमएसएमई को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद कर सकते हैं. राणे ने एमएसएमई को भारत की अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बताया और देश की जीडीपी वृद्धि और रोजगार में इस क्षेत्र के योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, “यह ग्रामीण औद्योगिकीकरण के लिहाज से महत्वपूर्ण है...”



Biz Industry

<https://www.bizindustry.in/post/international-summit-on-msme-organised-by-ministry-of-msme-goi-and-edii>



• bizindustry.in Biz Industry

- 1 day ago
- 4 min read

International Summit on MSME organised by Ministry of MSME, GoI and EDII



Entrepreneurship Development Institute of India

Mega International Summit on MSMEs' Competitiveness and Growth, organised by Ministry of MSME, GoI and Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmedabad

Union Minister for MSME, Shri Narayan Rane, inaugurated the two-day Mega International Summit on MSME Competitiveness and Growth organized by the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) and Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) in the august presence of Shri Bhanu Pratap Singh Verma, Minister of State (MoS), MSME, as Guest of Honour. The two-day summit witnessed brainstorming sessions and panel discussions on the enhancements, challenges and growth opportunities in the MSME sector. Speakers and experts from India, Singapore, Peru, Lao PDR, Rwanda, Myanmar, Russia, Uzbekistan, Spain and Iran, shared their experiences at the summit. The summit was attended by entrepreneurs, academicians, policymakers, industry leaders, thought leaders, business chambers, industry associations, startups, social impact organizations, MSMEs and self-help groups from across the world. During the summit, experts deliberated on subjects such as challenges and opportunities in the MSME sector amidst the COVID-19 pandemic, incubation/acceleration in MSME growth, role of conducive policies and non-financial business development services in MSME competitiveness, and how MSMEs can work in consortia to achieve sustainability. Discussions revolved around MSMEs' competitiveness, internationalization of Indian MSMEs, technology and innovation, digital transformation of MSMEs, entrepreneurship ecosystem and emerging opportunities in the MSME sector, and gender and disadvantaged communities' entrepreneurship.

Some of the national and international speakers included

- Dr. Gholamhossein Hosseininia, Deputy Minister of Cooperative, Labour & Social Welfare and President of Iran Technical and Vocational Training Organization (TVTO), Tehran, Iran (**Topic-** Innovation and Technology in MSMEs: Iran Experiences);

- Ms. Alka Arora, IAS (JS-ARI) Ministry of MSME, Govt. of India (**Topic-** MSME Challenges and Opportunities in the era of COVID 19 Pandemic & the Role of Incubation/Acceleration in MSMEs Growth);

- Ms. Alina Doskanova, Deputy Director- General of Skills Development Agency, Moscow, Russia (**Topic-** Startup Team Building and Growing through Skills Development Programmes);
- Commodore Amit Rastogi, Chairman & Managing Director of National Research Development Corporation, New Delhi (**Topic-** How MSMEs can Work in Consortia to Achieve Sustainability);
- Mr. Aruro Coral Alamo, CEO at Future Startup Hero, Lima, PERU (**Topic-** Opportunities emerging in Peru for Indian MSMEs);
- Dr. K. Rangarajan, Prof., Indian Institute of Foreign Trade, Kolkata (**Topic-** People, Planet and Profit in the Light of MSME Sector Development);
- Ms. Patricia Remiro, Sr. Consultant with ACCIO, The agency for Business Competitiveness in Catalonia, Barcelona, Spain (**Topic-** Catalonia Clusters: Facing Strategic Change), to name a few.

The Summit, in totality, established the role of MSMEs in the growth and economic development of a country. The factors that were attributed to a well-evolved MSME sector included, emphasis on science & technology, policy making and an understanding of the broad spectrum of MSMEs including high-tech enterprises in the organized sector to several others across industry domains in the informal sector. The Summit brought forth some of the needs and concerns of MSMEs across countries. These were highlighted as the need and access to sustainable infrastructure, consortia approach to business, business development service, finance, technology, training, product diversification, marketing and branding, skilled labour and simplified regulatory mechanism.

Highlighting two of the important sessions:

- **Topic : MSME Challenges and Opportunities in the era of COVID 19 Pandemic & the Role of Incubation/Acceleration in MSMEs Growth**

Speaker: Ms. Alka Arora, IAS (JS-ARI) Ministry of MSME, Govt. of India

Panelists: Shri S.B Dangayach, Founder Trustee of Innovative Thought Forum, Ahmedabad, Gujarat; Dr. Manish Dewan, Head, Strategic Partnership & Entrepreneurship Development, BIRAC, DBT, Govt. of India and Dr. Poonam Sinha, Director, National Institute of Entrepreneurship and Small Business Development and Head Regional Centre of Dehradun (NIESBUD), Noida.

Ms. Alka Arora opined that COVID 19 had created difficult conditions and situations for almost every sector. “On the turf of business, the worst hit were the MSMEs which are not so rich in resource reserve and have, therefore, been noticeably pressured under the consequences of COVID 19. The MSMEs were affected on several fronts; such as raw material supply chain, labour, financial support, markets and exports and many other critical areas of business. Yet there were some entrepreneurs who thought differently and revisited the scalability and the viability of their business models so that appreciable and achievable

evaluations and estimations could be reached. The Govt. also rose to the occasion and announced amiable policies. Atmanirbhar Bharat Abhiyan came in as a ray of hope for Indian MSMEs. While supportive policies are being floated, the dream of becoming 'self-reliant' through the upliftment of 'local' industries is possible with entrepreneurs thinking innovatively, becoming proactive and planning strategically.”

· **People, Planet and Profit in the Light of MSME Sector Development**

Speaker: Dr. K. Rangarajan, Prof., Indian Institute of Foreign Trade, Kolkata

Panelists: Mr. Rahul Dev, Senior Journalist and Former Honorary Advisor with Speaker's Research Initiative, Parliament of India; Mr. Krishan Mishra, Country Head International, Becker Professional Education, India and Mr. Raminder S. Rekhi, Consultant, Non-Farm livelihoods, National Rural Livelihood Mission, MoRD, Govt. of India.

Dr. Rangarajan brought forth the significance of MSMEs to an economy in terms of poverty reduction, job creation, international trade promotion and other critical parameters of growth. He explained how MSMEs have, therefore, been supported and stimulated to develop, expand, and render stronger support to the economy. It so evolved that People, Planet and Profits vis-à-vis MSMEs are important and can be understood as right orientation, sustainable and environment friendly business models which ultimately lead to profit. Entrepreneurs have to be concerned about the environment. Profits are just an outcome of the work they deliver with the right mindset.



<https://uphindinews.in/2022/04/02/a-brief-about-the-mega-international-summit-on-competitiveness-and-growth-of-msmes/>

एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता और विकास पर मेगा अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के बारे में एक संक्षिप्त जानकारी



यह शिखर सम्मेलन 'एमएसएमई कम्पीटिटिवनेस एंड ग्रोथ' की थीम पर आयोजित किया गया।

लखनऊ- बिजनेस डेस्क। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) द्वारा आयोजित दो दिवसीय मेगा अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय एमएसएमई मंत्री नारायण राणे ने किया। यह शिखर सम्मेलन 'एमएसएमई कम्पीटिटिवनेस एंड ग्रोथ' की थीम पर आयोजित किया गया।

शिखर सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, राज्य मंत्री, एमएसएमई विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में एमएसएमई के विकास की संभावनाओं और उनके समक्ष मौजूद चुनौतियों पर विचार-मंथन सत्रों और पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। भारत, सिंगापुर, पेरू, लाओ पीडीआर, रवांडा, म्यांमार, रूस, उज्बेकिस्तान, स्पेन और ईरान के वक्ताओं और विशेषज्ञों ने शिखर सम्मेलन में अपने अनुभव साझा किए।

शिखर सम्मेलन में पहुंचे उद्यमी

इस शिखर सम्मेलन में दुनिया भर के उद्यमियों, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के अग्रणी लोगों, विचारकों, व्यापार मंडलों, उद्योग संघों, स्टार्टअप्स, सामाजिक प्रभाव संगठनों, एमएसएमई और स्वयं सहायता समूहों ने भाग लिया। शिखर सम्मेलन के दौरान, विशेषज्ञों ने कोविड-19 महामारी के कारण एमएसएमई क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया। साथ ही, एमएसएमई के विकास को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाने और अनुकूल नीतियों का निर्माण करने तथा एमएसएमई क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का माहौल तैयार करने, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी का लाभ उठाने, एमएसएमई की दुनिया में डिजिटल परिवर्तन, उद्यमिता से संबंधित उभरते अवसरों और वंचित समुदायों की उद्यमिता के इर्द-गिर्द चर्चा हुई।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर जोर

शिखर सम्मेलन ने समग्र रूप से देश के विकास और आर्थिक विकास में एमएसएमई की भूमिका को रेखांकित किया गया। बेहतर तरीके से विकसित एमएसएमई क्षेत्र के लिए जिम्मेदार कारकों में शामिल हैं- विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर जोर, नीति निर्माण और एमएसएमई के व्यापक स्पेक्ट्रम की

समझ जिसमें संगठित क्षेत्र में उच्च तकनीक वाले उद्यम शामिल हैं। शिखर सम्मेलन के दौरान पूरे देश में एमएसएमई की महत्वपूर्ण जरूरतों और उनसे जुड़ी चिंताओं पर भी रोशनी डाली गई। इनमें सस्टेनेबल इन्फ्रास्ट्रक्चर, व्यापार के लिए सहयोगी और सामूहिक दृष्टिकोण, व्यवसाय विकास सेवा, वित्त, प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण, उत्पाद विविधीकरण, विपणन और ब्रांडिंग, कुशल श्रम और सरलीकृत नियामक तंत्र जैसे मुद्दे प्रमुख रूप से उजागर किए गए।



<http://shasakprashasak.com/index.php/state/26806-mega-international-msme-summit-organised-by-ministry-of-msme-and-edii-at-new-delhi>

ରାଜ୍ୟ

ଇଡିଆଇଆଇ, ଅହମ୍ମଦାବାଦ୍ ସହଯୋଗରେ ଏମ୍ଏସ୍ଏମ୍ଇ ମନ୍ତ୍ରଣାଳୟ ପକ୍ଷରୁ ମେଗା ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ସମ୍ମିଳନୀ ଆୟୋଜିତ

04 APRIL 2022 HITS: 40 RATING: ☆☆☆☆☆



ଭୁବନେଶ୍ୱର: ଏଚଂରପ୍ରେତ୍ତ୍ୟଅରସିପ୍ ତେଭେଲପ୍ମେଂଟ୍ ଇନଷ୍ଟିଚ୍ୟୁଟ୍ ଅଫ୍ ଇଣ୍ଡିଆ (ଇଡିଆଇଆଇ) ସହଯୋଗରେ ଭାରତ ସରକାରଙ୍କ ଅଣ୍ଡ୍, କ୍ଷୁଦ୍ର ଓ ମଧ୍ୟମ ଉଦ୍ୟୋଗ (ଏମ୍ଏସ୍ଏମ୍ଇ) ମନ୍ତ୍ରଣାଳୟ ସହଯୋଗରେ ଆୟୋଜିତ ଦୁଇ ଦିନିଆ ଏମ୍ଏସ୍ଏମ୍ଇ ପ୍ରତିବନ୍ଧିତା ଓ ଅଭିବୃଦ୍ଧି ସମ୍ପର୍କିତ ମେଗା ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ସମ୍ମିଳନୀକୁ କେନ୍ଦ୍ର ଏମ୍ଏସ୍ଏମ୍ଇ ମନ୍ତ୍ରୀ ନାରାୟଣ ରାଣେ ଉଦଘାଟନ କରିଥିବା ବେଳେ ଏମ୍ଏସ୍ଏମ୍ଇ ରାଷ୍ଟ୍ରମନ୍ତ୍ରୀ ଭାନୁ ପ୍ରତାପ ସିଂହ ବର୍ମା ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ । ଏହି ଦୁଇ ଦିନିଆ ସମ୍ମିଳନୀରେ ମାନସ ମଛନ ଓ ପ୍ୟାନେଲ୍ ଆଲୋଚନା ଆୟୋଜନ କରାଯାଇଥିଲା । ଭାରତ ସମେତ ସିଙ୍ଗାପୁର୍, ଯେରୁ, ଲାଓ ପିଡିଆର୍, ଝାଣ୍ଡା, ମିଆଁମାର, ରୁଷ, ଉଜବେକିସ୍ତାନ, ସ୍ୱେନ ଓ ଇରାନର ବକ୍ତା ଓ ବିଶେଷଜ୍ଞମାନଙ୍କ ସମେତ ଉଦ୍ୟୋଗୀ, ନୀତି ନିର୍ଧାରକ, ଶିଳ୍ପ ନେତୃତ୍ୱ, ଶିଳ୍ପ ଚାମ୍ବର, ଶିଳ୍ପ ସଂଘ, ଷ୍ଟାର୍ଟଅପ୍, ସାମାଜିକ ପ୍ରଭାବ ସୃଷ୍ଟିକାରୀ ସଂସ୍ଥା, ଏମ୍ଏସ୍ଏମ୍ଇ ଓ ସ୍ୱୟଂ ସହାୟକ ଗୋଷ୍ଠୀର ପ୍ରତିନିଧିମାନେ ଏଥିରେ ଅଂଶଗ୍ରହଣ କରୁଥିଲେ । କୋଭିଡ୍-୧୯ ମହାମାରୀ ସମୟରେ ଏମ୍ଏସ୍ଏମ୍ଇ କ୍ଷେତ୍ର ଲାଗି ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଥିବା ଆହ୍ୱାନ ଓ ସୁଯୋଗ, ଏମ୍ଏସ୍ଏମ୍ଇରେ ଇନକୁବେସନ୍ ଓ ଆସେଲରେସନ୍, ଅନୁକୂଳ ନୀତିର ପ୍ରଭାବ, ଏମ୍ଏସ୍ଏମ୍ଇ ପ୍ରତିବନ୍ଧିତାରେ ଅଣ-ଆର୍ଥିକ ବ୍ୟବସାୟ ବିକାଶ କାର୍ଯ୍ୟ ଓ ନିରନ୍ତରତା ହାସଲ କରିବା ଲାଗି ଏମ୍ଏସ୍ଏମ୍ଇଗୁଡ଼ିକ କିଭଳି ନିରନ୍ତରତା ହାସଲ କରିପାରିବେ ସେଭଳି ବହୁ ବିଷୟ ଉପରେ ବିଶେଷଜ୍ଞ ଓ ଅତିଥିମାନେ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ ।



ଇରାନ ବୈଷୟିକ ଓ ଧନାତ୍ମକ ଶକ୍ତି ସଂଗଠନର ସଭାପତି ଡକ୍ଟର ଗୋଲାମହୋସେନ୍ ହୋସେନେନିଆ, ଏମ୍ଏସ୍ଏମ୍ଇ ମନ୍ତ୍ରଣାଳୟର ଅଧିକାରୀ ଅରୋରା, ରୁଷିଆର ଜେନେରାଲ୍ ଅଫ୍ ସ୍କିଲ୍ସ ଡେଭେଲପ୍ମେଣ୍ଟ୍ ଏଜେନ୍ସିର ଡିପ୍ୟୁଟି ଡାଇରେକ୍ଟର ଅଲିନା ଡୋସ୍କାନୋଭା, ନ୍ୟୁୟାର୍କର ନ୍ୟାସନାଲ୍ ରିସର୍ଚ୍ଚ ଡେଭେଲପ୍ମେଣ୍ଟ୍ କର୍ପୋରେସନ୍ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଓ ପରିଚାଳନା ଅଫିସ୍ ଚୟୋଗୀ, ପେରୁର ପ୍ୟୁବ୍ଲିକ୍ ୱାର୍ଟାମେଣ୍ଟ୍ ହିରୋର ସିଇଓ ଅରୁରୋ କୋରାଲ ଆଲାମୋ, କୋଲକାତାର ଇଣ୍ଡିଆନ୍ ଇନଷ୍ଟିଚ୍ୟୁଟ୍ ଅଫ୍ ଫରେନ୍ ଟ୍ରେଡ୍ ପ୍ରଫେସର କେ ରଙ୍ଗରାଜନ ଓ ସ୍ପେନ୍ର ବରିଷ୍ଠ କନସଲଟାଣ୍ଟ ପାଟ୍ରିସିଆ ରେମିରୋ ଭଳି ବହୁ ଏଥିରେ ଅଂଶଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ ।



చిన్న సంస్థల ఎగుమతుల కోసం మార్కెట్ ఇంటెలిజెన్స్ నెట్వర్క్!

31 Mar, 2022 10:54 IST | Sakshi



న్యూఢిల్లీ: లఘు, చిన్న, మధ్య తరహా సంస్థల (ఎంఎస్ఎంఈ) ఎగుమతులకు ఊతమిచ్చేందుకు అంతర్జాతీయ మార్కెట్ ఇంటెలిజెన్స్ నెట్వర్క్ను ప్రభుత్వం ఏర్పాటు చేస్తోందని కేంద్ర మంత్రి నారాయణ్ రాణె తెలిపారు. విదేశీ మార్కెట్లకు ఎగుమతుల డేటా సంబంధ సమాచారానికి ఇది కేంద్రంగా ఉండగలదని ఆయన వివరించారు. ఎంట్రప్రెన్యూర్షిప్ డెవలప్మెంట్ ఇనిస్టిట్యూట్ ఆఫ్ ఇండియా (ఈడీఐఐ) నిర్వహించిన



వివరించారు. ఎంట్రప్రెన్యూర్షిప్ డెవలప్ మెంట్ ఇనిస్టిట్యూట్ ఆఫ్ ఇండియా (ఈడీఐఐ) నిర్వహించిన సదస్సులో పాల్గొన్న సందర్భంగా మంత్రి ఈ విషయాలు చెప్పారు.

గణాంకాల ప్రకారం.. భారత ఎగుమతుల్లో దాదాపు 45 శాతం వాటా ఎంఎస్ఎంఈ రంగానిదే ఉంటోంది. అయితే, విదేశీ మార్కెట్లకు సంబంధించిన విశ్వసనీయ వాణిజ్య గణాంకాలు అందుబాటులో లేకపోతుండటం వల్ల చిన్న సంస్థలు తమ సామర్థ్యాల మేరకు ఎగుమతులు చేయలేకపోతున్నాయి. ఈ నేపథ్యంలోనే ఎంఎస్ఎంఈ రంగాన్ని పటిష్టం చేసేందుకు, రుణ లభ్యత పెంచేందుకు, మెరుగైన సాంకేతికత అందించేందుకు, ఎగుమతి మార్కెట్లను అందుబాటులోకి తెచ్చేందుకు ప్రభుత్వం ప్రత్యేకంగా దృష్టి పెడుతోందని ఎంఎస్ఎంఈ శాఖ మంత్రి అయిన రాణె వివరించారు.

ఎంఎస్ఎంఈ రంగాన్ని దేశ ఎకానమీకి చోదక శక్తిగా మార్చేందుకు తగు మార్గదర్శ ప్రణాళికను



సాక్షి



లేటెస్ట్ ఐపీఎల్ స్పెషల్ వీడియోలు సినిమా క్రీడలు బిగ్

ఎంఎస్ఎంఈ రంగాన్ని దేశ ఎకానమీకి చోదక శక్తిగా మార్చేందుకు తగు మార్గదర్శ ప్రణాళికను రూపొందించాలని సంబంధిత వర్గాలకు ఆయన సూచించారు. దీటుగా పోటీపడేలా చిన్న సంస్థలను తీర్చిదిద్దేందుకు మరింత అధ్యయనం, ఆవిష్కరణలు, సరికొత్త వ్యాపార ఐడియాలు అవసరమని రాణె చెప్పారు.

